RNI No.UPHIN/2021/82019

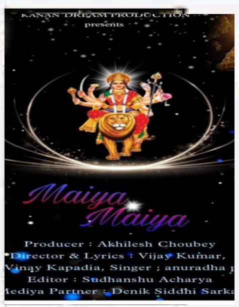

दैनिक सिद्धि सरकार

वर्ष :5 | अंक:306 | www.Siddhisarkar.com | ललितपुर 23 जुलाई गुरुवार 2026 | पृष्ठ:12 मूल्य :3 रुपये

पीएम हाउस के बाहर राहुल गांधी के धरने पर संजय सिंह भड़के, कांग्रेस ने पूछा- आप कौन?

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित पीएम आवास के बाहर धरना शुरू कर दिया है. कांग्रेस की मांग है कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, संसद में हृश्वश्वञ्ज मुद्दे पर चर्चा हो, गृह मंत्री लाठीचार्ज पर सदन में बयान दें, लाठीचार्ज की स्वतंत्र जांच कराई जाए, घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और छात्रों को मुआवजा दिया जाए.

कांग्रेस के इस धरने पर आम आदमी पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि देश के करोड़ों युवाओं के लिए सोनम वांगचुक जी पिछले 23 दिनों से आमरण अनशन पर हैं. जंतर मंतर पर देश का युवा आंदोलन कर रहा है.

आंदोलन को कमजोर करना चाहती है कांग्रेस- संजय सिंहसांसद ने कहा कि 20 जुलाई को युवाओं को बर्बरता पूर्वक पीटा गया. कांग्रेस एक महीने से आंदोलन को गाली दे रही है, अब राहुल गांधी कह रहे है ÷जंतर मंतर नहीं हमारे धरने में शामिल हो÷ उन्होंने पूछा कि आख़िर युवाओं के आंदोलन को क्यों कमज़ोर करना चाहती है कांग्रेस? जंतर मंतर के आंदोलन में शामिल होने की अपील क्यों नहीं करती कांग्रेस?

अनुराग ढांढा ने भी उठाए सवाल- इसी मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के नेता और प्रवक्ता अनुराग ढांढा ने लिखा कि ये कैसे हो सकता है कि 2.5 लाख छात्रों को पीट पीट कर संसद जाने से रोक दिया जाए और राहुल गांधी बिना एक लाठी चले टहलते हुए प्रधानमंत्री निवास के दरवाज़े पर बैठ जाएं? टीवी 30 दिन से बीजेपी के कहने पर लाखों बच्चों का जंतर मंतर आंदोलन न चलाए और उसी मसले पर राहुल गांधी को नॉन स्टॉप दिखाया जाए? काँग्रेस छात्रों के आंदोलन को शुरु से गाली देती आयी हो और आज अचानक कांग्रेस छात्रों की हिमायती बन गयी? क्या मोदी के इशारे पर छात्र आंदोलन से ध्यान हटाने आये हैं राहुल गांधी? संजय सिंह की प्रतिक्रियाओं पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि संजय सिंह कौन? किसी गंभीर आदमी के बारे में सवाल करिए.

कांवड़ यात्रा में ऊंचे ष्ठछ्व पर बैन, नियम तोड़े तो होगा मुकदमा; 14 दिन बंद रहेंगी मीट की दुकानें

शामली में आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए शामली के कांधला थाना परिसर में मंगलवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता सीओ कैराना हेमंत कुमार ने की, जिसमें डीजे संचालकों, डाक कांवड़ लेकर जाने वाले शिवभक्तों और कांवड़ सेवा शिविर संचालकों ने हिस्सा लिया. अधिकारियों ने शासन की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए.

बैठक में स्पष्ट किया गया कि शासन के निर्धारित मानकों से अधिक ऊंचाई वाले डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे. कांवड़ यात्रा के दौरान केवल धार्मिक और भक्ति संगीत ही बजाया जाएगा. यदि कोई डीजे संचालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. प्रशासन ने डीजे संचालकों से सहयोग की अपील भी की है.

14 दिन बंद रहेंगी मीट की दुकानें-प्रशासन ने कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी मीट की दुकानों को 14 दिनों तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं. इसके अलावा शराब की दुकानों को त्रिपाल से ढकने की व्यवस्था की जाएगी ताकि यात्रा के दौरान धार्मिक भावनाएं प्रभावित न हों. कांवड़ियों की सुविधा के लिए पेयजल, चिकित्सा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं.

सात जोन में बंटा शहर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम-एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा को लेकर पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है. शामली शहर को सात जोन में विभाजित किया गया है. पैदल कांवड़ियों के लिए शहर के भीतर से मार्ग निर्धारित किया गया है, जबकि डाक कांवड़ियों के लिए बाईपास मार्ग की व्यवस्था की गई है. पुलिस, प्रशासन और नगर निकाय संयुक्त रूप से तैयारियों में जुटे हैं ताकि यात्रा बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके.

अखिलेश यादव ने हिरासत में लिए जाने के बाद पूछा, कहां ले जा रहे हो पुलिस भाई

दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल हुए. कुछ देर बाद पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया. अखिलेश यादव ने हिरासत में लिए जाने के बाद पूछा कि पुलिस भाई मुझे कहां ले जा रहे हो.

20 जुलाई को दिल्ली में सीजेपी के संसद मार्च के दौरान बड़ी संख्या में छात्र और युवा जुटे थे. इस प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले दागे थे. इसी के खिलाफ मंगलवार (21 जुलाई) को पीएम आवास के पास राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के अलावा अन्य दलों के नेता भी धरने में शामिल हुए थे. प्रधानमंत्री आवास के पास धरना खत्म-प्रधानमंत्री आवास के पास फिलहाल धरना खत्म हो गया है. बता दें कि कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे

की मांग करते हुए '7 लोक कल्याण मार्ग' के पास धरना दिया था. इस दौरान 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो', 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' और 'छात्रों को न्याय दो' जैसे नारे लगाए. इसमें अखिलेश यादव भी मौजूद थे. धरना शुरू होने के कुछ देर बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया.

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने की थी राहुल गांधी से मुलाकात-इससे पहले लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया. धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हाथों में हथकड़ियां पहनकर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का सांकेतिक विरोध जताया. इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे थे. उन्होंने राहुल गांधी से धरना खत्म करने का आग्रह किया.

छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला- राहुल गांधीलोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों को इंसाफ दिलाने के लिए लोगों से पीएम आवास के पास धरने में शामिल होने की अपील की थी. उन्होंने कहा, छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार को इस मामले में जवाबदेही लेनी चाहिए. राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की इजाजत दे रही है.

लखनऊ- प्रदेश में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा-भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ योजना, कैबिनेट की मंजूरी

यूपी कैबिनेट में भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ योजना के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों को भी स्वीकृति दी गई. इस निर्णय का उद्देश्य भारत की समृद्ध बौद्धिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को उच्च शिक्षा से जोड़ते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रवर्तकों एवं ज्ञान-विज्ञान के महान चिंतकों के विचारों के अध्ययन, अनुसंधान और प्रसार को बढ़ावा देना है.

भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोध को मिलेगा बढ़ावा-इस योजना के अन्तर्गत 50 वर्ष या उससे अधिक पुराने तथा 5,000 से अधिक छात्र संख्या वाले राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा के महान प्रवर्तकों के नाम पर शोधपीठ स्थापित की जाएंगी. इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक में 5 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है.

छात्रों पर लाठीचार्ज से आहत अन्ना हजारे करेंगे आंदोलन, पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा- लोकतंत्र में दमन

नीट पेपर लीक को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर छात्र और विपक्ष अड़ा हुआ है. दिल्ली में 20 जुलाई को कॉकरोज जनता पार्टी के संसद चलो मार्च के दौरान हुए लाठीचार्ज को लेकर अन्ना हजारे ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है. दिल्ली में छात्रों के आंदोलन को देखते हुए वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे कल सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अहिल्यानगर के वाडिया पार्क स्थित गांधी स्मारक पर मौन आंदोलन करेंगे. अन्ना हजारे का कहना है कि सरकार को छात्रों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए.

लोकतंत्र में संवाद के बजाय दमन का रास्ता अपनाए जाने पर अन्ना हजारे ने चिंता व्यक्त की. अन्ना हजारे के आंदोलन स्थल को प्रतीकात्मक रूप से %नगर का जंतर-मंतर% नाम दिया जाएगा. इस आंदोलन पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में दमन नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाए.अन्ना हजारे ने कहा, पेपर लीक, बेरोजगारी और भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी चिंताजनक है. छात्रों के आंदोलन को कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि जनभावना का मुद्दा मानना चाहिए. सरकार छात्रों और आंदोलनकारियों के साथ सकारात्मक संवाद करे.% उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने की अपील की.

CM योगी का सपा पर बड़ा हमला, कहा- बबुआ 12 बजे उठते थे, चाचा-भतीजे नौकरी बेचते थे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती दौरे के दौरान जिले को 396 करोड़ रुपये की लागत वाली 83 विकास परियोजनाओं की सौगात दी. इन परियोजनाओं में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास शामिल है.

इस दौरान मुख्यमंत्री का स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही और पूरे पंडाल में ÷जय श्रीराम÷ व ÷योगी-योगी÷ के नारे गूंजते रहे.

सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना-विकास परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला. उन्होंने समाजवादी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब ÷बबुआ÷ मुख्यमंत्री थे, तब कानून व्यवस्था बदहाल थी और थानों पर गुंडों का कब्जा रहता था. उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय सरकारी नौकरियों में ÷पर्ची और खर्ची÷ का खेल चलता था. चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली में लगी रहती थी.

पारदर्शी भर्ती और कानून व्यवस्था का किया दावा-मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के पूरी पारदर्शिता के साथ 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब अपराधियों के लिए जेल ही सही जगह है. बलरामपुर में हुई कार्रवाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है.योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी देश के सबसे पिछड़े जिलों में गिने जाने वाले श्रावस्ती की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है. %वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है. उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य विकास के साथ रोजगार और बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करना है.मुख्यमंत्री के इस दौरे को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. आगामी विधानसभा चुनाव से पहले श्रावस्ती की धरती से उन्होंने विकास, रोजगार और कानून व्यवस्था को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, वहीं विपक्ष पर तीखे राजनीतिक हमले भी किए. कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन किया और विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया.

महरौनी के पशु मार्केट में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने करीब एक माह बाद किया मामला दर्ज

मारपीट की घटना में गंभीर रूप से तीन घायलों को झांसी किया रेफर

मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल

ललितपुर। करीब एक माह पूर्व महरौनी कस्बे के पशु बाजार में गाय खरीदने को लेकर उत्पन्न हुए विवाद के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी, जिसमें करीब एक दर्जन लोग घायल हुए थे। इनमें से तीन गंभीर रूप से घायलों को देर रात्रि झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इस मामले को लेकर थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दिदोरा निवासी भगत सिंह पुत्र शिव दिन यादव की शिकायत पर कोतवाली महरौनी पुलिस ने गांव के ही विपक्षी मन खुशी पुत्र वीर सिंह यादव सहित चार आरोपियों पर 115(2), 118(1), 117(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे में दिनांक 29 जून 2026 को को पशु बाजार लगा था, जिसमें थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दरोंना निवासी पशु विक्रेता कल्याण सिंह और दूसरे पशु विक्रेता सजन सिंह अपने-अपने पशु बेचने के लिए गए हुए थे। बताया गया है कि शाम करीब 4ः00 बजे कोई एक ग्राहक आया और उसने दोनों ही दुकानदारों की गाय देखी जिसमें से वह कल्याण सिंह की गाय लेने के लिए तैयार हो गया। इस दौरान दुकानदार और क्रेता के बीच गए खरीदने का सौदा करीब 30000 रुपए में तय हुआ, जिसे क्रेता पैसा देकर दुकानदार से गाय लेकर चला गया। बताया गया है कि जब विपक्षी दुकानदार सजन सिंह की गाय नहीं बिकी, तो उसका पुत्र भूरी और मानवेंद्र सिंह काफी आक्रोशित हो गये, जिसको लेकर कहासुनी से विवाद शुरू हुआ हालांकि वहां मौजूद अन्रा दुकानदारों ने दोनों पक्षों को समझ कर विवाद शांत कर दिया। इस मामले में भगत सिंह पुत्र सिद्धि यादव का आरोप है कि शाम करीब 7ः00 बजे यह विवाद पुनः उत्पन्न हुआ, जिसमें विपक्षी मन खुशी पुत्र वीर सिंह यादव ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर एक राय होकर उसके और उसके परिजनों के साथ गाली गलौज करते हुए लात घुसो लाठी डंडों से मारपीट की और बचाने आए अन्य परिवार के सदस्यों को भी नहीं बख्श। इस मामले में उसके परिवार के कई लोग घायल हुए थे जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भी भर्ती कराया गया था कोतवाली महरौली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर फिर द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर से संगत धाराओं में मामला पंजीकृत कार्यवाही की है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

अमृत योजना -2 के तहत खोदे गये खुले पड़े गड्डे में गिरने तीन वाहन क्षतिग्रस्त, सबारियां भी हुई चोटिल

खुले पड़े गड्डे में लगातार हो रहे हादसों ने स्थानीय ग्रामीणों में अधिकारियों के खिलाफ पनप रहा आक्रोश , घटना के कई वीडियो वायरल

ललितपुर। शहर के मोहल्ला तालाब पुरा में अमृत योजना-दो के तहत हर घर तक शुद्ध जल पहुंचने के लिए पाइपलाइन डालने हेतु कार्यदाई संस्था द्वारा खोदी गई सड़क और गड्डों को यूं ही खुला छोड़ दिया गया, जिस कारण मोहल्ले वासियों का जीवन दुबर हो गया है। यहां पर खुले पड़े हुए गड्ढे में कई निजी और कमर्शियल वाहन गिरकर क्षतिग्रस्त हुए, तो सवारियां चोटिल हुई। इस घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस मामले को लेकर मोहल्ले वासियों ने काफी आक्रोश व्यक्त किया और अधिकारियों से यहां की सड़कों की मरम्मत करने के साथ-साथ लापरवाही कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई।

जनपद के शहरी इलाके में शासन की मंशा के अनुरूप अमृत योजना दो के तहत कार्य संस्था द्वारा पाइप लाइन डालने का काम किया जा रहा है, ताकि शुद्ध पेयजल हर घर तक पहुंच सके। लेकिन कार्यदाई संस्था के कर्मचारियों द्वारा पाइपलाइन डालने में काफी लापरवाही वर्ती जा रही है, जिस कारण यहां के लोगों का जीवन नरक सा बन चुका है। कई मोहल्लों में सड़कें खुदी पड़ी हैं, काफी गहरे गड्ढे यूँ ही खुले छोड़ दिए गये है, जिनमें वाहन गिरकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं पर आने-जाने वाले लोग चोटिल हो रहे हैं। बताया गया है कि शहर के मोहल्ला तालाब पुरा की पुरानी चुंगी के पास कार्यदाई संस्था द्वारा पाइपलाइन डालने के लिए खोदे गए गधों को यूं ही खुला छोड़ दिया, जिसमें कई निजी और कमर्शियल वाहन गिर रहे हैं और वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तथा राहगीर और उसमें बैठी सवारियां भी चोटिल हो रही हैं। मोहल्ले वासियों का आरोप है कि इस मामले को लेकर उन्होंने कई बार जिला प्रशासन से शिकायत की लेकिन अधिकारियों ने मामला संज्ञान में नहीं लिया जिस कारण यहां रोज हादसे हो रहे हैं। अधिकारियों और कार्यदाई संस्था की लाचार कार्य प्रणाली पर मोहल्ले वासियों ने काफी आक्रोश जताया पर अधिकारियों से यहां की सड़क और गधों के मरम्मत करवाने की मांग उठाई। मोहल्ले वासियों ने तो यहां तक कहा कि यदि जल्द ही यहां मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया जाता तो वह कलेक्ट परिसर में धरना प्रदर्शन अनशन पर बैठेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी।

शहर की शहजाद नदी के निर्माणाधीन पुल के पानी में मिला युबक का शव, पुलिस का पैर फिसलकर गिरने के कारण मौत होने का अनुमान

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर के मोहल्ला नदीपुरा के निर्माणाधीन पुल के नीचे मुहल्ले के ही युबक का शव नदी के निर्माणाधीन पुल के नीचे मृतक अवस्था में प?ा मिला। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शब को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए। पुलिस ने इस मामले में पैर फिसल कर पानी में गिरकर मौत होने की आशंका जताई है। नदीपुरा निवासी 27 वर्षीय अरबाज खान पुत्र अंसार खाँन मंगलबार की शाम अपने घर से निकला था और उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद रात्रि करीब 9ः00 बजे पुलिस को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि शहजाद नदी के निर्माणाधीन पुल के नीचे भरे पानी में किसी युवक का शब पड़ा हुआ है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से युवक को पानी से बाहर निकाला और उसकी पहचान करवा कर परिजनों को सूचित किया। इसके बाद मृतक को तत्काल मेडिकल कॉलेज भिजवाया जहां डॉक्टरी परीक्षण के दौरान उसकी मौत की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस का दावा है की मौत के कर्म का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हो सकेगा लेकिन प्रथम दृष्टि व प्रतीत हो रहा है कि युवक की मौत अस्थाई पुल से निकलते समय फिसल कर गिरने से हुई होगी।

पोस्टमार्टम के बाद बडे ही गमगीन माहौल में जीजा का गौना में तो साले का तेरा गाँव में हुआ अंतिम संस्कार

तेरा में पैर फिसल कर कुयें में गिरे साले को बचाने के चककर में जीजा साले की डूबकर हुई थी मौत

खेत में दबाई छिड़कते समय दोनों हुए हादसे का शिकार, परिबारों में मचा कोहराम

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेरा में दबाई छिड़कते समय कुयें में गिरे साले को बचाने कुंदे जीजा और साले की कुयें में डूब ड़र हुई मौत के बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों जीजा और साले का अपने-अपने गांव में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों की एक साथ हुई असमय मौत से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। रात्रि के समय घटी घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मियों ने कड़ी मस्काक्त के बाद दोनों मृतकों की शबों को बाहर निकाला था।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तेरा गांव निवासी 19 वर्षीय मुनीम पुत्र नंदू के माता पिता खेत में ड़सल की बुबाई करने के बाद मजदूरी हेतु बाहर गये हुए थे। बताया गया है कि मंगलवार को मुनीम को अपने खेत में बोई हुई फसल में दवाई का छिड़काव करना था इसीलिए उसने अपने जीजा थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोना निवासी 22 बर्षीय राघवेंद्र पुत्र सुखराम को बुलाया था। बताया गया है कि मंगलबार कि शाम करीब 6 बजे ड़ब दोनों खेतौं में दबाई का छिड़काव ड़र रहे थे, तभी साला मुनीम कुयें के पास गया, जहां की जमीन गीली होने के कारण उसका पैर फिरल गया और वह पानी से भरे कुयें में जा गिरा। इस दौरान चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका जीजा राघवेंन्द्र दौड़ा और साले को बचाने के लिए कुयें में कुंद गया। बताया गया है कि इस दौरान एक दूसरे को बचाने के चककर में दोनों पानी में डूब गये और दोनों की मौत हो गई। जैसे ही इस घटना की सुचना बानपुर पुलिस को मिली, वैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों ग्रामीणों को कुएं से बाहर निकलने का प्रयास करने लगी लेकिन जब सफलता नहीं मिली तब तत्काल जिला मुख्यालय से दमकल विभाग की टीम को बुलाया गया। सूचना प्राप्त होते ही फायर स्टेशन ललितपुर की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची तथा कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को अचेत अवस्था (मृत) में कुएँ से बाहर निकाला। जिसके दोनों बाद दोनों को डॉक्टरी परीक्षण में मृतक घोषित कर दिया गया। इस दौरान पुलिस में दोनों शब्दों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की दोपहर बाद दोनों का जिला मुख्यालय पर पोस्टमार्टम किया गया और फिर उनके परिजन दोनों के शब्द अपने-अपने गांव लेकर चले गए बताया गया है कि साल का अंतिम संस्कार उसके गांव तेरा में, तो जीजा का अंतिम संस्कार उसके गांव गोना में गमगीन माहौल के बीच किया गया।

सरकार हमारे बारे में सोचेगी तो हम भी सोचेंगे, नहीं तो हम भी बदलाव की सोच रहे है - प्रदर्शनकारी

पेपर लीक होने की घटनाओं से आक्रोशित बिभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थी का प्रदर्शन

पुलिस की मौजूदगी से कम्पनी बाढ़ में असफल होने के बाद पारिक्षर्थीयों ने क्लैक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर धरने के लिए मांगी अनुमति

ललितपुर। पिछले दोनों कई प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने के कारण परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा जिस कारण अभ्यार्थियों और उनके परिजनों को आर्थिक और मानसिक रूप से क्षति पहुंची है। इस मामले को लेकर कई प्रतियोगी परीक्षाओं में शिरकत करने वाले करीब दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थी क्लाक्ट्रेट परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रश्न पत्र लीक करवाने की उच्च स्तरीय जांच करवा कर इस मामले में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग उठाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी पार्टी के साथ नहीं है, उन्हें सिर्फ कार्यवाही से मतलब है, ताकि परीक्षाएं समय पर शांतिपूर्ण संपन्न हो सके । इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से इस मामले में धरना करने की अनुमति भी मांगी।

पिछले दिनों नीट जैसी कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा, जिससे अभ्यार्थियों और उनके माता-पिता को आर्थिक और मानसिक रूप से काफी क्षति हुई है। इसी मामले को लेकर जंतर मंतर पर धरना चल रहा था जहां विद्यार्थियों पर मोदी सरकार के इशारे पर लाठी चार्ज किया गया, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल भी हुए। जंतर मंतर पर विद्यार्थियों पर हुई लाठी चार्ज को लेकर पिछले करीब दो सालों में किसी न किसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले करीब दो दर्जन से अधिक असफल परीक्षार्थियों ने बुधवार को शहर के कंपनी बाग में धरना देने का प्रयास किया। लेकिन इसकी भनक जैसे ही सदर कोतवाली पुलिस को लगी, वैसे ही वह मौके पर पहुंची और उन्होंने धरने पर बैठने के लिए पहुंचे विद्यार्थियों को वहां से हटाने का काम किया। इसके बाद सभी असफल परीक्षार्थी कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया और ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने धरना करने की अनुमति मांगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से दो टूक शब्दों में कहा कि वह किसी भी राजनीतिक पार्टी के साथ नहीं है और ना ही उनके समर्थन में धरना देने के लिए अनुमति मांग रहे हैं। बल्कि वह इस बात के लिए धारण करना चाहते हैं कि उनकी बात सरकार के कानों तक पहुंचे और वह पिछले दिनों कई प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक हुए पेपरों की उच्च स्तरीय जांच कराकर सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करें, ताकि आगे आने वाले परीक्षार्थियों का भविष्य अंधकार मय ना हो, प्रतियोगी परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न कराई जा सके और प्रतियोगियों को समय पर परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित हो सके और उन्हें आगे का रास्ता मिल सके। हलक इस दौरान अधिकारियों ने उनसे 5 दिन का समय मांगा, जिस पर वह रजामंद हो गए। दिए गए ज्ञापन पर एक दर्जन से अधिक विद्यार्थियों के हस्ताक्षर बने हुए है।

म?ावरा में मोबाइल की दुकान में देर रात बदमाशों ने ताले चटकाकर चोरी की घटना को दिया अंजाम

दुकान में रखे मोबाइल व अन्य उकरण लेकर चोर हुए फरार

पुलिस ने निरीक्षण कर दिए शिकायती पत्र पर कार्यवाही का दिया आश्वासन

ललितपुर। थाना मढ़ावरा क्षेत्र के स्थानीय कस्बे देर रात्रि अज्ञात बदमाशों ने एक मोबाइल की दुकान के ताले चटका कर वहां पर रखी हुई मोबाइल और अन्य सामग्री लेकर रफू चक्कर हो गए कि घटना की सूचना जैसे ही मड़ावरा पुलिस को मिली वैसे ही वह फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटना स्थल से नमूने एकत्रित कर दुकानदार द्वारा दिए गए शिकायती पत्र पर मामला दर्ज करने की कार्यवाही शुरू कर दी थी। दुकान मालिक के अनुसार उसकी दुकान में से अज्ञात बदमाश मोबाइल और उसकी अन्य सामग्री लेकर रफू चक्कर हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार कस्बा मड़ावरा के पंजाब नेशनल बैंक के पास गांव में ही रहने वाले आशीष अवस्थी पुत्र बैजनाथ स्वास्थ्य की मोबाइल की दुकान है, जहां वह मोबाइल की रिपेयरिंग और नए मोबाइल बेचकर अपना और अपने परिवार का वहां पोषण करता है। बताया गया है कि आशीष अवस्थी मंगलवार की शाम करीब 8ः00 बजे अपनी दुकान को भली भांति बंद कर उसके ताले लगाकर अपने घर चला गया था. इसके बाद उसे बुधवार की सुबह करीब 8 बजे आसपास के लोगों से सूचना मिली कि उसकी दुकान के ताले टूटे पड़े हुए हैं और उसकी शटर भी आधि खुली हुई है। जब वह दुकान पर पहुंचा, तो वहां पर उसके ताले टूटे पड़े हुए थे और जब शटर खोलकर दुकान के अंदर पहुंचा, तो उसका सामान दुकान में बिखरा हुआ था। इस दौरान जब उसने अपनी दुकान की पड़ताल की, तो उसे पता चला कि अज्ञात चोर उसकी दुकान में रखे हुए कुछ मोबाइल और कुछ उसकी सामग्री के साथ गुल्लक में रखी नगद धनराशि लेकर रफू चक्कर हो गए हैं। जिसके बाद दुकानदार ने इस मामले की तत्काल थाना मड़ावरा पुलिस की सूचना दी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची मड़ावरा पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और फोरेंसिक टीम की मदद से दुकान से साक्षय एकत्रित किये।इसके साथ ही दुकान संचालक द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आगे की कार्यवाही करने में जुट गई है।

साहब....... आवास दिलाने के लिए ग्राम प्रधान पर सचिव मांग रहे हैं पैसा

प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर ग्राम प्रधान ने गांव के सचिवालय में ग्राम चौपाल के दौरान लाभार्थियों से मांगे गए 10-10 हजार रुपए

चौपाल के दौरान पैसा मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन देकर कार्यवाही की उठाई मांग

ललितपुर। जहां एक द्वार प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने अधीनस्थ कर्मचारियों और जन प्रतिनिधियों को जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए भ्रष्टाचार को समाप्त करने की नसीहत दे रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर उन्ही की सरकार के पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान मिलकर प्रधानमंत्री आवास के नाम पर लोगों का खून चूसने में लगे हुए हैं। ऐसे ही एक मामले को लेकर बिकासखंड बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कारी पहा?ी में प्रधानमंत्री आवास बनवाने के नाम पर ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा ग्रामीणों से पैसों की मांग की गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर मामले में कार्यवाही की मांग उठाई। हालांकि जिला अधिकारी ने पूरे मामले की जांच करवा कर दोषियों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

मंगलवार को ग्राम कारी पहा?ी के करीब एक दर्जन से अधिक लाभार्थी महिलाएं ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुई, जहां उन्होंने अपने ही गांव के ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार की पोल खोली और जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री आवास के नाम पर ग्राम प्रधान द्वारा मांगे जा रहे 10-10 हजार रुपए की शिकायत की। इस दौरान ग्रामीणों ने एक वायरल वीडियो भी दिखाया, जिसमें गांव के सचिवालय में लगी ग्राम चौपाल के दौरान वहां मौजूद ग्राम प्रधान के साथ ग्रामीण मौजूद हैं जिसमें ग्राम प्रधान अपने गांव के पात्र लाभार्थियों से प्रधानमंत्री आवास के नाम पर 10-10 हजार रुपयों की मांग कर रहा है और विकासखंड के अधिकारियों को देने का दावा भी कर रहा है। इस मामले को लेकर गांव की महिलाएं हुई डीएम को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार उनके गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की सूची को ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा मिलकर अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसको लेकर गांव के सचिवालय में ग्राम प्रधान द्वारा पात्र लाभार्थियों के साथ खुली बैठक आयोजित नहीं की गई, बल्कि अपने चाहते लाभार्थियों को बुलाकर उनसे दस दस हजार रूपये उनके प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव तैयार कर दिया। इस दौरान जिन लाभार्थियों ने ग्राम प्रधान को पैसे नहीं दे पाए, उनका नाम किसी न किसी कारण से आवास की लिस्ट से काट दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा कहा जा रहा है कि पैसे दो और आवास लो अन्यथा की स्थिति में आवास की सुविधा नहीं मिलेगी। इसको लेकर गांव में ना तो खुली बैठक की गई और ना ही पात्र लाभार्थियों से संपर्क किया गया, बल्कि पैसा ना मिलने पर उन्हें अपात्र घोषित कर दिया गया और उनका नाम सूची से हटा दिया गया। यह मामला जैसे ही जिलाधिकारी के संज्ञान में आया, उन्होंने ग्रामीणों को इस मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी कि यदि इस मामले में वीडियो वायरल होने के बाद भी दोषियों पर कार्यवाही नहीं हुई, तो वह सार्वजनिक रूप से धरना प्रदर्शन अनशन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। दिए गए ज्ञापन पर प्रीति रानी रूबी रैकवार रेखा केवट कौशल्या रजनी सचिन राहुल नीलू जगत सिंह मनोज कुमार मिथिलेश हेमा पार्वती सहित दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

डॉ तेजस्व श्रीवास्तव के विरुद्ध दर्ज हुए एससी एसटी के मामले को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने डीएम को दिया ज्ञापन

मामले को संदिगध एवं असत्य बताकर निष्पक्ष जांच करने की उठाई मांग

ललितपुर। पिछले दिनों डॉक्टर तेजस श्रीवास्तव और उनके यहां कार्यरत कर्मचारी के बीच विवाद होने के बाद उसने डॉक्टर पर एससी एसटी एक्ट में मामला पंजीकृत कर दिया था। इसी मामले को लेकर कायस्थ महासभा ने एससी एसटी के मामले को फर्जी बताते हुए डीएम एसपी को ज्ञापन दिया और पूरे मामले की जांच कर कर झूठा मामला पंजीकृत करने वाले आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई।

जनपद के प्रत्याशी डॉक्टर तेजस श्रीवास्तव पर दर्ज हुए एससी-एसटी के मामले को लेकर बुधवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के साथ समाज के लोग एक जो ठोकर जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने डॉक्टर तेजस श्रीवास्तव के खिलाफ एससी-एसटी में दर्ज किए गए मामले को निराधार और असत्य बताते हुए ज्ञापन दिया।

दिए गये ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि नगर में प्रतिष्ठित चिकित्सक तेजस्व श्रीवास्तव के विरुद्ध सदर कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण)अधिनियम की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। डॉक्टर तैजस्व श्रीवास्तव लंबे लमय से जनपद में चिकित्सासेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं तथा उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा एवं निष्कलंक छवि रही है इसीलिए डॉ तेजस्व को कई सामाजिक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों से यह प्रकरण प्रथम दृष्ट्या अत्यंत संदिग्ध एवं तथ्यों से परे प्रतीत होता है. हमें आशंका है कि व्यक्तिगत विवाद एवं अन्य कारणों से अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के प्रावधानों का दुरुपयोग कर उन्हें अनावश्यक रूप से फसाने का प्रयास किया गया। निबेदन है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा व्यक्तगत सम्मान तथा पेशेवर जीवन पर ऐसे आअभियोगो का आत्यंत गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसलिए इस मामले में निष्पक्ष पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच कराया जाना न्याय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस ज्ञापन के माध्यम से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई। दिए गए ज्ञापन पर एक दर्जन से अधिक कायस्थ महासभा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के पर समाजसेवियों के हस्ताक्षर बने हुए है।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आधी आबादी को बनाना होगा सशक्त : महिला आयोग सदस्या

पीड़ित महिलाओं की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण कराने के दिये निर्देश

सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की सदस्या ने दिये निर्देश

मौके पर आये 18 प्रार्थना पत्रों में से 2 का किया गया निस्तारण

ललितपुर। केन्द्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता ''नारी सशक्तिकरण'' की दिशा में पी?ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने व उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती अर्चना पटेल ने बुधवार को पीडब्ल्युडी सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ महिला उत्पी?न की घटनाओं की समीक्षा की और पी?ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के लिए महिला जनसुनवाई कर अधिकारियों को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये।

उन्होंने जनसुनवाई करते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि प्रत्येक महिला को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, ताकि नारी सशक्त व सबल बन सके, क्योंकि जब नारी सशक्त होगी तभी हम एक सशक्त राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं। अगर आधी आबादी परेशान रहेगी, वंचित रहेगी तो जो सपना हम देख रहे हैं वो पूरा नहीं हो सकेगा। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी महिलाएं आपके कार्यालय में विभागीय योजनाओं के लिए आयें, उन्हें अनावश्यक यहां से वहां न भटकाया जाए, उनकी बात को प्राथमिकता से सुना जाए और उचित सहायता दी जाए। उन्हें अपनी बहन, बेटी की नजर से देखें। महिलाएं जो भी समस्याएं लेकर आपके कार्यालय आयें, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जाए और आज जो प्रार्थना पत्र दिये गए हैं, सम्बंधित अधिकारीगण उनका निस्तारण सुनिश्चित कराते हुए अवगत करायें। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए जो सपना देखा है, उसे हम सभी को मिलकर साकार करना है। इस जनसुनवाई के दौरान कुल 18 शिकायती पत्र प्राप्त हुई, जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, शेष शिकायतों को सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गए।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इम्तियाज अहमद, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, मिशन मैनेजर डूडा राकेश त्रिपाठी, महिला थानाध्यक्ष अनीता, सखी वन स्टॉप सेन्टर से काउंसलर पूनम शर्मा, केस वर्कर निशा नरवारे, प्रोबेशन कार्यालय से खुशबू जायसवाल, जयराम, चाइल्ड हेल्पलाइन से अजय कुशवाहा सहित जनप्रतिनिधियों में अपना दल के प्रदेश सचिव कपूर सिंह पटेल, संतोष पटेल, रामगुलाम श्रीवास, माधव पटेल, नन्दकिशोर, पुष्पेन्द्र पटेल, सनद पटेल, यश पटेल, सौरभ गुप्ता, सुरेन्द्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिधिगण, आम जनमानस आदि उपस्थित रहे।

खाद संकट और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

किसानों को तत्काल यूरिया-डीएपी उपलब्ध कराने और बढ़े हुए बिजली बिलों पर रोक लगाने की मांग

ललितपुर। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को खाद की हो रही किल्लत और प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की अव्यवस्थित व्यवस्था के कारण किसान खाद के लिए भटकने को मजबूर हैं, जबकि स्मार्ट मीटरों के कारण आम उपभोक्ताओं पर बिजली बिल का अतिरिक्त बोझ बढ़ता जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डा.दयाराम रजक के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान समय में खरीफ फसलों की बुआई एवं रोपाई का कार्य पूरे प्रदेश में चल रहा है। ऐसे में किसानों को यूरिया और डीएपी खाद की सबसे अधिक आवश्यकता है, लेकिन सहकारी समितियों और बिक्री केन्द्रों पर खाद की भारी कमी बनी हुई है। खाद लेने के लिए किसानों को घंटों लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है, फिर भी उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इससे खेती का कार्य प्रभावित होने के साथ किसानों में भारी रोष व्याप्त है। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में प्रदेशभर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इन मीटरों के लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। पहले से महंगाई की मार झेल रहे आम नागरिकों के लिए बढ़े हुए बिजली बिल आर्थिक बोझ बन गए हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था आम जनता के हितों के विपरीत साबित हो रही है। कांग्रेस ने राज्यपाल से मांग की कि किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उपलब्ध कराई जाए, खाद वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाया जाए तथा स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराकर बढ़े हुए बिजली बिलों पर रोक लगाई जाए, जिससे किसानों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों और आम जनता के हितों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी और उनकी समस्याओं के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक, मनरेगा प्रभारी जसपाल सिंह बंटी, नगराध्यक्ष रामनरेश दुबे, अजय प्रताप सिंह तोमर, विजय विक्रम सिंह, राजा राजपाल सिंह, अजय कुशवाहा, अमन साहू, डा.सुनील खजुरिया, मकरंद किलेदार, राकेश रजक सहित जिला कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

तालबेहट पुलिस की कार्रवाई, पॉक्सो एक्ट के मुकदमे में युवक को न्यायालय में किया पेश

ललितपुर। नाबालिग से छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को तालबेहट पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह तथा सीओ तालबेहट आशीष कुमार मिश्र के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तालबेहट पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना तालबेहट में मु.अ.सं. 261/2026 के तहत बीएनएस की धारा 333, 74, 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 में दर्ज मुकदमे में वांछित आरोपी ग्राम ककड़ारी निवासी सुरेन्द्र सहरिया पुत्र शिवलाल सहरिया को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से मामले में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में थाना तालबेहट पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भूजल सप्ताह का समापन जल संरक्षण का संकल्प दिलाकर सीडीओ ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर दिया जोर

पंचायत भवनों, स्कूलों और सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने के निर्देश

जल जनित बीमारियों से बचाव और पानी बचाने के उपाय बताए

ललितपुर। राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत संचालित अटल भूजल योजना के तहत जिले में 16 से 22 जुलाई तक मनाए गए भूजल सप्ताह का बुधवार को समापन हुआ। डीएम के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में पेयजल, स्वच्छता एवं जल जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता सीडीओ शेषनाथ चौहान ने की। शुरुआत जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प थीम के साथ हुई। सीडीओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और वर्षा जल संचयन को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि भूमिगत जल का दोहन किया जा रहा है तो वर्षा जल को धरती में पुनर्भरण (रिचार्ज) कराना भी सभी की जिम्मेदारी है। इससे भविष्य में जल संकट की स्थिति से बचा जा सकता है। सीडीओ ने डीपीआरओ, बीएसए व डीआईओएस को निर्देश दिए कि जिले के सभी पंचायत भवनों, प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कराने के लिए कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। साथ ही उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि नए एवं पुराने सभी सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति से मिलने वाले जल संसाधनों का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है और इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने जल जनित बीमारियों की रोकथाम पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि हैंडपंप या रीबोर का पानी सीधे पीने के बजाय कुछ समय तक खुले बर्तन में रखने से उसमें ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। साथ ही लोगों को स्वच्छ एवं उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी गई, जिससे सिरदर्द, पेट दर्द और अन्य जलजनित बीमारियों से बचा जा सके। विशेषज्ञों ने रोजमर्रा के कार्यों में जल संरक्षण के लिए कई सुझाव दिए। दांत साफ करते और दाढ़ी बनाते समय नल बंद रखने, बर्तन धोते समय आवश्यकता अनुसार ही पानी उपयोग करने, टपकते नलों की तुरंत मरम्मत कराने, पाइप की जगह बाल्टी से वाहन धोने, पानी की टंकी में वाल्व लगाने तथा घर के सदस्यों को जल बचत के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में किसानों को क्यारी बनाकर सिंचाई करने, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति अपनाने, कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने तथा खेतों की मेड़ मजबूत कर वर्षा जल का खेत में ही रिचार्ज कराने की सलाह दी गई। वहीं उद्योगों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को उपयोग किए गए पानी का शोधन कर फिर से इस्तेमाल करने, होटल, अस्पताल एवं उद्योगों में वर्षा जल संग्रहण कर उसका उपयोग टॉयलेट, बागवानी एवं अन्य कार्यों में करने की सलाह दी गई। बैठक में एसडीएम सदर हेमंत पटेल, डीआईओएस ओपी सिंह, डीपीआरओ कुंवरसिंह यादव, बीएसए, डीडी कृषि, सिंचाई विभाग, भूगर्भ जल विभाग, जल संस्थान के अभियंता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले में 16 से 22 जुलाई तक चल रहे भूजल सप्ताह के समापन पर सीडीओ ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

वर्षा जल संचयन की महत्ता बताते हुए सभी शासकीय भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाये जाने पर दिया जोर

जल जनित बीमारियों से बचाव के उपायों पर अधिकारियों व विशेषज्ञों ने साझा किये अपने विचार रोजमर्रा के घरेलू कार्यों, कृषि कार्यों व औद्योगिक गतिविधियों में जल संचयन के बताए गए टिप्स

ललितपुर। राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत अटल भूजल योजना के तहत जिले में 16 से 22 जुलाई तक चल रहे भूजल सप्ताह के समापन पर बुधवार को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देशन में पेयजल एवं स्वच्छता तथा जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु जन जागरुकता एवं जिला स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जल संरक्षण व वर्षा जल के संचयन पर गहन समीक्षा की गई और जल संरक्षण की शपथ दिलायी गई। सीडीओ ने जल संरक्षण की सभी को शपथ दिलाकर वर्षा जल संचयन की महत्ता बताई।

बैठक का आयोजन ÷जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प'' की थीम पर हुआ, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए अपने-अपने घरों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने तथा अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण वहां करना चाहिए, जहां से हम जल का दाहन कर रहे है, इसके लिए जरूरी है कि हम भूमिगत जल का संरक्षण करें, यदि हम वर्षा जल को जमीन के अंदर रीजार्च होने में मदद करेंगे तो वर्ष भी हमें पानी की कमी नहीं होगी। उन्होंने जिले के सभी पंचायत भवनों, प्राथमिक, माध्यमिक व महाविद्यालयों की छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाये जाने हेतु डीपीआरओ, बीएसए व डीआईओएस को कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिये कि उनके जो भी भवन बन रहे हैं या बन चुके हैं, उन पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूर लगवाये जायें। अगर हम प्रकृति से कुछ ले रहे हैं तो यह हमारा दायित्व है कि हम उसे वापस भी करें।

बैठक में विभिन्न विभागों से आये अधिकारियों व अभियंताओं ने जल जनित बीमारियों पर अपने-अपने विचार प्रकट किये। बताया गया कि भूमिगत जल में ऑक्सीजन का लेवल कम होता है, इसलिए जो लोग हैण्डपम्प व रीबोर का पानी इस्तेमाल करते हैं वे उसे सीधे न पीकर कुछ समय के लिए हवा में रखें ताकि वह आक्सीजन के सम्पर्क में आ सके। यदि पानी जमीन से निकालकर सीधे पीयेंगे तो सिर दर्द, पेटदर्द जैसे लक्षण हो सकते हैं। पानी हमेशा स्वच्छ पीयें और प्रसास करें कि कच्चे पानी को उबालकर पीयें। बैठक में उप जिलाधिकारी सदर हेमन्त पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुँवर सिह यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप निदेशक कृषि सहित सिंचाई, भूगर्भ जल विभाग, जल संस्थान के अभियंता व अन्य सम्बंधित अधिकारीगण, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बॉक्स -

रोड़मर्रा के घरेलू कार्यों में जल बचत -

विशेषज्ञों ने घरेलू कार्यों में जल को संचित करने के उपायों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दन्त मंजन करते, दाढ़ी बनाते समय नलों/टोंटी को कम से कम खोले और मग के इस्तेमाल करें। बर्तनों को मांजते समय नल बन्द रखें, जब धुलाई करनी हो तब ही नल को खोलें। जल की धार हमेशा धीमी रखें और टपकते नलों को तुरन्त ठीक करायें। गाड़ी की धुलाई पाइप लगाकर न करें, बल्कि बाल्टी में पानी लेकर गाड़ी साफ करें। घर के आगे की सड़कों को अनावश्यक पानी से न धोएं। सार्वजनिक नलों में लीकेज देखें तो उसकी शिकायत जल संस्थान को करें। कम पानी की खपत वाले फ्लश सिस्टम का प्रयोग करें, इससे 10 ली0 पानी बचेगा। रसोई में ताजा पानी भरने की प्रवृत्ति छोड़ संग्रहित पानी का पूरा इस्तेमाल करें। पानी की टंकी में वाल्व अवश्य लगायें और पानी को ओवरफ्लो न करायें। घर के सदस्यों को पानी बचाने की शिक्षा जरूर दें। ध्यान रखें कि अनावश्यक जल की बर्बादी अथवा टपकना एक ऋ्रणात्मक उर्जा उत्पन्न करता है, जो आपके मन मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। जल, उर्जा एवं धन की बचत का आशय है कि उसे दूसरों के हित साधन में लगाना।

किसान भी कर सकते हैं पानी की बचत -

कृषि कार्य में पानी की बचत करने के लिए किसान फसलों की सिंचाई क्यारी बनाकर करें। सिंचाई की नालियों को पक्का करें या कैनवास/पी0वी0सी0 पाइप का प्रयोग करें। बागवानी की सिंचाई हेतु 'ड्रिप विधि' व फसलों हेतु 'स्प्रिंकलर विधि' अपनायें। पेड़ पौधों एवं फसलों की सिंचाई आदि में आवश्यकतानुसार ही पानी का प्रयोग करें। बगीचे में पानी सुबह ही, दें ताकि वाष्पीकरण से होने वाला नुकसान कम किया जा सके। जल की कमी वाले क्षेत्रों में ऐसी फसलें बोयें जिसमें कम पानी की आवश्यकता हो। अत्याधिक भूजल गिरावट वाले क्षेत्रों में फसल चक्र में परिवर्तन कर अधिक जल खपत वाली फसलें न उगायी जायें। खेतों की मेड़ों को मजबूत व ऊँचा करके खेत का पानी खेत में रिचार्ज होने दें।

उद्योगों एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में ऐसे करें जल की बचत -

उद्यमी, औद्योगिक प्रयोग में लाये गये जल का शोधन करके उसका पुर्नउपयोग करें। मोटर गैराज में गाडियों की धुलाई से निकले जल की सफाई करके पुनः प्रयोग में लायें। वाटर पार्क तथा होटल में प्रयुक्त होने वाले जल का उपचार करके बार-बार प्रयोग में लायें। होटल, निजी अस्पताल, नर्सिंग होम व उद्योग आदि श्वर्षा जल का संग्रहणश् कर टायलेट व गार्डेनिग में उस पानी का प्रयोग करें।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

सुनिश्चित हो दान का सदुपयोग

भारत के आदि धर्म में, जिसे प्राचीनता व्यक्त करने के लिए सनातन और भौगोलिकता व्यक्त करने के लिए हिंदू कहा जाता है, दान एक दिनचर्या है। एक नित्यकर्म है। ईशोपनिषद में उल्लेख है, %त्याग की भावना के साथ भोग करो। लालच मत करो। धन किसका हुआ है? दान किसी कामना से नहीं किया जाता और जो कामना से किया जाता है, उसे तुच्छ माना जाता है।% सात्विक या श्रेष्ठ दान के बारे में गीता में कहा गया है कि अपना कर्तव्य मानकर सही व्यक्ति को सही समय और स्थान पर दिया दान ही श्रेष्ठ होता है। इसीलिए हिंदू धर्म में दान लेने और उसका हिसाब-किताब और उपयोग करने वालों के लिए नियम भी कड़े बनाए गए हैं। तप और स्वाध्याय से तपे और समाजसेवा को समर्पित लोग ही दान के प्रबंधन और सदुपयोग का दायित्व निभा सकते हैं, परंतु जिन लोगों को अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन और सदुपयोग का दायित्व सौंपा गया था वे स्पष्ट रूप से उसके पात्र नहीं थे। अन्यथा चोरी और हेराफेरी का प्रश्न ही नहीं उठता। विडंबना यह भी है कि चढ़ावा-चोरी के आरोपों से घिरे लोगों में से अधिकांश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं, जो अपनी स्थापना की शताब्दी मनाते हुए नए मनुष्य के निर्माण की बातें कर रहा है। भाजपा की राज्य और केंद्र सरकारें भी राम मंदिर के दान के प्रबंधन में भले अपनी सीधी भूमिका स्वीकार न करें, क्योंकि उनके वरिष्ठ नेता भी संघ से जुड़े रहे हैं और राम जन्मभूमि आंदोलन को अपना सभ्यतागत मिशन बना कर सत्ता में आए हैं। स्वाभाविक है कि उनकी भूमिका पर अंगुलियां उठना भी स्वाभाविक है, बल्कि सवाल तो जांच प्रक्रिया की गंभीरता और पारदर्शिता पर भी उठ रहे हैं। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर को हिंदू आस्था के प्रतीकों के सदियों से जारी पराभव के विराम और उनकी पुन: प्रतिष्ठा के उद्घोष के रूप में देखा जाता है। इसलिए वहां हुई चढ़ावा-चोरी ने लोगों को विशेष रूप से विचलित किया है। यह सब स्वयं को हिंदू हितरक्षक बताने वाली सरकार की छत्रछाया में हुआ, जिसने इस पीड़ा को और बढ़ाया है। इसलिए सरकारी जांच पर संदेह होना अस्वाभाविक नहीं है। दक्षिण भारत के जिन मंदिरों का वित्तीय प्रबंधन राज्य सरकारों की देखरेख में है वहां और भी गंभीर घोटाले होते रहे हैं। भारत में सबसे अधिक चढ़ावा प्राप्त करने वाले मंदिर तिरुपति देवस्थानम् के प्रसाद में दो साल पहले मिलावटी घी के प्रयोग का मामला सामने आया था। पिछले वर्ष केरलम के सबरीमला मंदिर से सोने की चोरी पर विवाद हुआ था। वैसे जो मंदिर सरकारों की देखरेख में नहीं हैं वे भी हेराफेरी से अछूते नहीं रहे हैं। तीन साल पहले केदारनाथ धाम मंदिर से करोड़ों के सोने की चोरी के आरोप लगे थे। बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी के आरोप लगे हैं, जिनकी जांच जारी है। दुनिया का कोई धर्म ऐसा नहीं है, जिसके पूजा स्थलों और धार्मिक संस्थाओं में दान की हेराफेरी न होती हो। दान की सबसे बड़ी हेराफेरी दुनिया के सबसे अमीर कैथलिक ईसाई धर्मराज्य वेटिकन में भी हुई। पांच साल पहले वहां के एक कार्डिनल ने लंदन के प्रोपर्टी बाजार में निवेश के बहाने वेटिकन के 10 करोड़ डॉलर ठग लिए थे। चर्च अध्ययन केंद्र की पिछले साल छपी रिपोर्ट के अनुसार ईसाई चर्चों और उनसे जुड़ी संस्थाओं को हर साल करीब 94,500 करोड़ डॉलर का दान मिलता है, जिसमें से लगभग 6,200 करोड़ हेराफेरी में चला जाता है। यहां पूर्वी और पश्चिमी लंदन की मस्जिदों में पिछले साल दस-दस करोड़ रुपयों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार को लेकर हंगामा हुआ था। एशिया और यूरोप में समय-समय पर जकात के नाम पर ठगने वाली फर्जी इस्लामी संस्थाएं पकड़ी जाती हैं, लेकिन दूसरे धर्मों के पूजास्थलों और संस्थाओं में दान की हेराफेरी का होना राम मंदिर के दान की चोरी से लगे आघात को कम नहीं कर सकता। देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ हिंदू आस्था का भी पुनर्जागरण हो रहा है और उसके साथ-साथ चढ़ावे और दान की मात्रा भी बढ़ रही है। इसलिए इसका सदुपयोग सुनिश्चित करने वाली राष्ट्व्यापी पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है। इसका दायित्व सरकारों पर नहीं छोड़ा जा सकता और न ही छोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि सरकारें अपने राजनीतिक हितों के लिए उसका दुरुपयोग कर सकती हैं। वैसे भी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र में सभी धर्मों को अपने पूजास्थलों और संस्थाओं के वित्तीय प्रबंधन में बराबर की स्वायत्तता मिलनी चाहिए। इसलिए हिंदू धर्मगुरुओं और धर्माचार्यों को ही एकजुट होकर ऐसी पारदर्शी व्यवस्था बनाने की पहल करनी होगी जो मंदिरों में आने वाले चढ़ावे और दान का सदुपयोग हिंदू धर्म और समाज की उन्नति के लिए सुनिश्चित करा सके। देश के बीस बड़े मंदिरों को मिलाकर ही देखें तो उनमें कुल लगभग 10 हजार करोड़ सालाना का दान और चढ़ावा आता है, जिसमें से आधा तो अकेले तिरुपति मंदिर का है। इन मंदिरों के पास कुल मिलाकर लगभग पांच लाख करोड़ की संपत्तियां भी हैं, जिनके सदुपयोग से हिंदु समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के साथ-साथ संस्कृति और इतिहास की रक्षा के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। यह करना आसान नहीं होगा, क्योंकि हिंदू धर्म में हर किसी को अपना आराध्य और उपासना मार्ग तय करने की स्वतंत्रता है। हालांकि इससे भी बड़ी चुनौतियां ईसा से पूर्व वेदव्यास और आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य के समक्ष भी थीं। वेदव्यास ने अपनी लेखनी और शंकराचार्य ने दार्शनिक और संगठनात्मक प्रतिभा से समाज को एकजुट किया जिससे धर्म का पुनर्जागरण हुआ।

वार्ता के लिए रवैया सुधारे पाकिस्तान

आनंद कुमार

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा के बीच, यह लेख राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर औपचारिक वार्ता की संभावना का विश्लेषण करता है। लेखक का तर्क है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई नहीं करता, तब तक उच्चस्तरीय वार्ता सार्थक नहीं होगी, हालांकि सीमित संवाद माध्यम जारी रहने चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के संबंध एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अलावा दोनों देशों के 117 प्रतिष्ठित नागरिकों ने किसी न किसी रूप में द्विपक्षीय संवाद की महत्ता पर जोर दिया है। इस बीच, ऐसी खबरें भी आईं कि कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के रणनीतिक विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों के बीच ट्रैक-2 वार्ता भी हुई। इस घटनाक्रम से वही सवाल सामने आया कि क्या भारत को पाकिस्तान के साथ औपचारिक वार्ता फिर से शुरू करनी चाहिए? इसका उत्तर भावनाओं से नहीं, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक यथार्थ के आधार पर दिया जाना चाहिए। बातचीत तभी सार्थक होती है जब दोनों पक्ष शांति और विश्वास का महौल बनाने के लिए तैयार हों। आज ऐसी स्थिति दिखाई नहीं देती। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को जवाब देने के क्रम में भारत ने पहली बार सिंधु जल संधि को भी स्थगित कर दिया। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध साथ-साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि छह दशक तक भारत-पाकिस्तान संबंधों की सबसे मजबूत कड़ी मानी जाती थी। यह युद्धों के दौरान भी कायम रही, लेकिन भारत ने इसे स्थगित करके यह संकेत दिया कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को विदेश नीति का साधन बनाए रखेगा तो पुराने ढांचे भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। फिलहाल नदियों का पानी प्राकृतिक रूप से पाकिस्तान की ओर बह रहा है, लेकिन संधि के तहत होने वाला संस्थागत सहयोग, तकनीकी बैठकें और नियमित संपर्क बंद हैं। पाकिस्तान ने इस फैसले को केवल जल विवाद नहीं रहने दिया। वहां के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बता रहा है। पाकिस्तान अभी गंभीर आंतरिक संकटों से गुजर रहा है। बलूचिस्तान में लगातार बढ़ते हमले इस बात का प्रमाण हैं कि वहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ रही है। पाकिस्तान की अनेक समस्याएं उसकी अपनी आंतरिक राजनीतिक और प्रशासनिक विफलताओं से जुड़ी हैं। गुलाम जम्मू एवं कश्मीर की स्थिति भी उसके लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वहां कई सप्ताह से लोग महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट और राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ सड़कों पर हैं। आंदोलन केवल आर्थिक मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब बेहतर शासन और राजनीतिक अधिकारों की मांग भी इसमें शामिल हो चुकी है। ऐसे समय में पाकिस्तान का पूरा ध्यान अपने घरेलू संकटों पर होना चाहिए। उधर भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रियता बढ़ा दी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले के मामले में लश्कर-ए-तोइबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। साथ ही भारत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल यानी एफएटीएफ में पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में शामिल कराने के लिए नए साक्ष्य प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अब आतंकवाद के विरुद्ध केवल सैन्य कार्रवाई ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी और आर्थिक दबाव की संयुक्त रणनीति अपना रहा है। ऐसे माहौल में यदि कोई व्यापक राजनीतिक वार्ता शुरू होती है तो उससे ठोस परिणाम निकलने की संभावना कम है। जब तक पाकिस्तान आतंकवादी ढांचे पर निर्णायक कार्रवाई नहीं करता, तब तक किसी भी उच्चस्तरीय वार्ता से अधिक उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं होगा। विश्वास की बुनियाद के बिना संवाद केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि दोनों देशों के बीच हर प्रकार का संपर्क समाप्त कर दिया जाए। व्यापक राजनीतिक वार्ता और संकट के समय आवश्यक संवाद में अंतर है। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच हाटलाइन आज भी काम कर रही है। इसी तरह ट्रैक-2 वार्ताएं भी जारी हैं। इन मंचों पर आतंकवाद, जल विवाद, सीमा पर तनाव और संकट प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा होती है। इनसे कोई समझौता नहीं होता, लेकिन गलतफहमियां कम करने और एक-दूसरे का सोच समझने का अवसर अवश्य मिलता है। दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच यदि संवाद के सीमित माध्यम भी समाप्त हो जाएं तो किसी भी छोटे सैन्य या सीमा विवाद के बड़े संघर्ष में बदलने का खतरा बढ़ जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में भारत को दोहरी रणनीति अपनानी होगी। पहली, आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश मिलता रहना चाहिए कि सीमा पार आतंकवाद जारी रहने पर सामान्य संबंध संभव नहीं हैं।

दूसरी, सैन्य हाटलाइन, सीमित राजनयिक संपर्क, मानवीय मामलों में सहयोग और ट्रैक-2 संवाद जैसे माध्यम जारी रहने चाहिए ताकि किसी भी संकट की स्थिति में तनाव को नियंत्रित किया जा सके। अच्छे संबंधों की पहली शर्त विश्वास होती है और विश्वास की पहली शर्त आतंकवाद का पूरी तरह परित्याग है। जब तक पाकिस्तान इस दिशा में ईमानदार कदम नहीं उठाता, तब तक औपचारिक वार्ता का माहौल नहीं बनेगा।

हाल में खबर आई कि 79 वर्ष का पाकिस्तान पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से अपना संबंध जोड़ रहा है। सिंधु सभ्यता, तक्षशिला, पाणिनि और संस्कृत का संबंध खुद से बता रहा है। पाकिस्तान अपनी उन मिसाइलों के नाम बदलने पर भी विचार कर रहा है, जो उसने मुस्लिम आक्रांताओं के नाम पर रखे। उसने अपनी मिसाइलों के नाम गजनवी, गोरी, बाबर, अब्दाली रखा है। ये सभी तुर्क और अफगान लुटेरे थे, जिन्होंने बार-बार भारत पर हमला किया। पाकिस्तान भारत को आहत करने के लिए अफगान और मध्य एशियाई तुर्क लुटेरों एवं आक्रांताओं को अपने राष्ट्रीय नायक के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि इन आक्रांताओं ने सर्वाधिक आक्रमण वर्तमान पाकिस्तान के हिस्से पर ही किया। इस वर्ष के प्रारंभ में पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर के कुछ इलाकों के पुराने हिंदू और सिख नाम वापस रखने का प्रस्ताव दिया था। जैसे कि इस्लामपुर का नाम फिर से कृष्ण नगर और बाबरी मस्जिद चौक का नाम जैन मंदिर चौक प्रस्तावित था, लेकिन कट्टरपंथियों के विरोध के कारण त्याग दिया। ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान की सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई और प्रजातीय रूप में भारत से एकरूपता रही है। इसके बाद भी वह अपनी पहचान मध्य एशिया और तुर्क देशों से जोड़ता रहा है। बड़ा सवाल यही है कि क्या आज पाकिस्तान अपने अतीत को स्वीकार कर रहा है और राष्ट्र निर्माण की गलतियों को ठीक करने की कोशिश कर रहा है? आजादी के बाद भारत पंथनिरपेक्ष और आधुनिक राष्ट्र बना तथा अपनी तार्किक और सर्वसमावेशी विचारधारा के आधार पर समाज के सभी वर्गों को साथ जोड़कर राष्ट्र बनने में सफल रहा। वहीं पाकिस्तान पंथक इस्लामी गणराज्य बना और पंथ पर जोर देने के कारण राष्ट्र निर्माण में सफल नहीं हुआ। वहां मजहब और भाषा के आधार पर भेदभाव प्रारंभ हुआ, जिससे शिया-सुन्नी विवाद, अहमदिया, हजारा, सिंधी और बलूच समुदाय स्वयं को अलग महसूस करने लगे।

1971 में पूर्वी पाकिस्तान अलग हो बांग्लादेश बन गया। भारत में लोकतंत्र एक जीवन पद्धति के रूप में विकसित हुआ, वहीं पाकिस्तान में लोकतंत्र प्रारंभ से ही असफल हो गया और सैनिक, कट्टरपंथी शक्तियों ने भय और अविश्वास का माहौल बनाकर सत्ता अपने हाथ में लेते रहे। इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र निचले स्तर तक प्रभावी नहीं हो पाया। भारत में संवाद और सह-अस्तित्व के माध्यम से समस्या का समाधान ढूंढ़ा गया, जिससे एक उदार वर्ग विकसित हुआ। पाकिस्तान में कट्टरपंथी और सैन्य शक्तियों के हाथ में शक्ति होने से उदार वर्ग का विकास नहीं हो पाया। इससे वहां आधुनिक और प्रगतिशील शक्तियां प्रभावी नहीं हो पाईं। मानवीय सभ्यता के विकास क्रम में भारतीय उपमहाद्वीप में एक अद्वितीय सभ्यता का विकास हुआ, जिसमें ज्ञान, विज्ञान और श्रेष्ठ सांस्कृतिक तत्व विकसित हुए। सिंधु सभ्यता के कई महत्वपूर्ण क्षेत्र वर्तमान पाकिस्तान में हैं और इसी क्षेत्र में श्रेष्ठ वैदिक सभ्यता का विकास हुआ। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के दो प्रमुख महाजनपद गांधार और कंबोज आज के पाकिस्तान के क्षेत्र में थे। आधुनिक पेशावर और रावलपिंडी के क्षेत्र में फैले गांधार की राजधानी तक्षशिला थी, जो शिक्षा और व्यापार का महान केंद्र थी।

दिल्ली में जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं

संवाद की जगह बल प्रयोग क्यों

भारत समेत दुनिया भर में अनशन के जरिए व्यवस्था में बदलाव लाने की कोशिशें इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आजादी के बाद देश के संविधान में अभिव्यक्ति के अधिकार को शामिल किया गया, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन की अनुमति का भी प्रावधान है। संविधान देश के हर नागरिक को यह इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन, संस्था या किसी समूह की नीतियों और निर्णयों को लेकर कानून के दायरे में रहकर अपना असंतोष प्रकट कर सकता है। ऐसे में सवाल है कि क्या किसी व्यक्ति को अनशन करने से जबरन रोका जा सकता है? मामला तब और भी संवेदनशील, गंभीर और महत्त्वपूर्ण हो जाता है, जब अनशन देश की व्यवस्था में सुधार के मुद्दे पर केंद्रित हो। दिल्ली में जंतर-मंतर पर पिछले बीस दिन से अनशन कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा शनिवार को जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, नीट में गड़बड़ियों को लेकर काकरोच जनता पार्टी (काजपा) की ओर से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। सोनम वांगचुक ने इस मांग के समर्थन में अनशन शुरू किया था। उम्मीद की जा रही थी कि सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर समाधान का कोई रास्ता निकालेगी, लेकिन इसके विपरीत पुलिस ने वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार को असल में वांगचुक के स्वास्थ्य की फिक्र है या फिर यह सब आंदोलन की आवाज को दबाने के प्रयास का हिस्सा है? देश में ऐसी कई घटनाओं के उदाहरण हैं, जब सरकार या उसके प्रतिनिधियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत कर उन्हें भरोसे में लेकर अनशन समाप्त कराया है। फिर क्या वजह है कि इस मामले में सरकार को प्रदर्शनकारियों से संवाद की अब तक कोई जरूरत ही महसूस नहीं हुई और अनशन को बलपूर्वक समाप्त कराने की कोशिश को ही प्राथमिकता दी गई। यह सच है कि सोनम वांगचुक के लगातार अनशन से उनकी सेहत बिगड़ रही थी, लेकिन जिस उद्देश्य के लिए उन्होंने यह कदम उठाया, क्या सरकार के लिए उसका कोई महत्त्व नहीं है? नीट की परीक्षाओं में पर्चालीक और अन्य तरह की गड़बड़ियां अब किसी से छिपी नहीं हैं और सरकार ने भी इसे स्वीकार किया है। ऐसे में अगर युवा वर्ग शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहा है, तो यह सरकार के लिए अप्रासंगिक या महत्त्वहीन विषय कैसे हो सकता है? अनशन के मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने निर्देश में कहा था कि जीवन अनमोल है और वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी होनी चाहिए। पुलिस अब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए इसी निर्देश का हवाला दे रही है। मगर इस आलोक में सर्वोच्च न्यायालय के वर्ष 2024 के एक फैसले पर गौर करना भी जरूरी है, जिसमें कहा गया था कि भूख हड़ताल पर बैठे किसी शख्स की जिंदगी की हिफाजत करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन साथ में यह भी सुनिश्चित करना होगा कि असहमति जताने के अधिकार में कोई बाधा न आए। जाहिर है, अगर किसी शांतिपूर्ण आंदोलन की आवाज को सुनने के बजाय उसे दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो यह लोकतंत्र के लिए किसी आघात से कम नहीं होगा।

गरीब मरीजों की अनदेखी कब तक?

सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है।

चिकित्सा पेशे की सबसे बुनियादी और प्राथमिक शर्त यही होनी चाहिए कि एक चिकित्सक किसी घायल व्यक्ति का बिना किसी औपचारिकता की मांग किए तुरंत इलाज करे और सबसे पहले उसका जीवन बचाने की कोशिश करे। विडंबना यह है कि कई बार अस्पताल और वहां मौजूद डाक्टर घायल मरीज को तुरंत उपचार मुहैया कराने के बजाय टालमटोल करते हैं या फिर मना कर देते हैं। नतीजतन, सिर्फ इलाज न मिलने की वजह से बच सकने वाले व्यक्ति की भी मौत हो जाती है।सवाल है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित की मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। गौरतलब है कि बीते मार्च में बलात्कार की शिकार हुई महज चार साल की एक बच्ची को बुरी तरह घायल अवस्था में गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन वहां उसे भर्ती करने से मना किया गया। आखिरकार इसी वजह से उसकी जान चली गई। सवाल है कि जघन्य अपराध का शिकार हुई पीड़ित बच्ची को तुरंत उपचार मुहैया कराना डाक्टरों ने जरूरी क्यों नहीं समझा? ऐसे में बच्ची की मौत के लिए आखिर उन अस्पतालों और वहां मौजूद डाक्टरों को भी जिम्मेदार क्यों नहीं माना जाए? इस मामले में बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या आपने इसलिए नजरअंदाज किया कि पीड़ित बच्ची गरीब थी और आपकी फीस नहीं दे सकती थी? शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी इस घटना के बहाने बड़े फलक के सवाल उठाती है। यह शिकायत आम है कि निजी अस्पतालों में किसी मरीज के इलाज के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत दी जाती है और गरीब तबकों के लोगों को वहां उपेक्षा या खराब व्यवहार का सामना करना पड़ता है। मगर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का शिकार और घायल होने की स्थिति के बावजूद अगर बच्ची का इलाज करने से मना किया गया, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन अस्पतालों के प्रबंधक और डाक्टर कितने संवेदनहीन रहे होंगे। चिकित्सा पेशे से जुड़े सभी लोगों और संस्थानों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में अपनी ड्यूटी और उपयोगिता के बारे में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ विचार करने की जरूरत है। भारत समेत दुनिया भर में अनशन के जरिए व्यवस्था में बदलाव लाने की कोशिशें इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आजादी के बाद देश के संविधान में अभिव्यक्ति के अधिकार को शामिल किया गया, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन की अनुमति का भी प्रावधान है। संविधान देश के हर नागरिक को यह इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन, संस्था या किसी समूह की नीतियों और निर्णयों को लेकर कानून के दायरे में रहकर अपना असंतोष प्रकट कर सकता है। ऐसे में सवाल है कि क्या किसी व्यक्ति को अनशन करने से जबरन रोका जा सकता है?

अपने भीतर उतरना ब्रह्मांड की यात्रा है, स्वयं से संवाद करना प्रभावी सूत्र

ब्रह्मांड में जितनी दूर हमारी दूरबीनें पहुंचती हैं, उतना ही स्पष्ट होता है कि रहस्य अभी शेष है। यही बात भीतर की यात्रा पर भी लागू होती है। अपने भीतर उतरना सवालों के साथ जीना सीखना है।

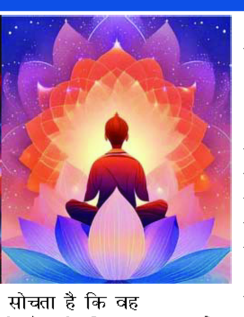

मनुष्य सदियों से आकाश की ओर देखता आया है। उसने तारों को गिना, ग्रहों की गति को समझा, दूरबीनें बनाईं व ब्रह्मांड के दूरस्थ कोनों तक अपनी नजर पहुंचाई। यह खोज बताती है कि हम कितने विशाल और रहस्यमय ब्रह्मांड का हिस्सा हैं। किंतु यदि हमारी यात्रा केवल बाहर ही बाहर रहे, तो वह अधूरी रह जाएगी। एक समय ऐसा आता है, जब मनुष्य समझने लगता है कि ब्रह्मांड को देखने वाला भी उसी ब्रह्मांड का एक अंश है। जो आंख तारों को देख रही है, वह भी उन्हीं प्राकृतिक नियमों का परिणाम है, जिन्हें वह समझना चाहती है। जो बुद्धि आकाशगंगाओं का अध्ययन कर रही है, वही स्वयं प्रकृति की एक अभिव्यक्ति है। तब प्रश्न बदल जाता है। तब हम केवल यह नहीं पूछते कि ब्रह्मांड क्या है। हम यह भी पूछते हैं कि वह चेतना क्या है, जो यह प्रश्न पूछ रही है। और यहीं से भीतर की यात्रा शुरू होती है। जब कोई वैज्ञानिक किसी तारे का अध्ययन करता है, तो वह प्रकाश, ऊर्जा और गुरुत्व के नियमों को समझता है। जब वही वैज्ञानिक अपने भीतर झांकता है, तो वह आशा, प्रेम, जिज्ञासा, भय और मौन को पहचानता है। दोनों यात्राएं भिन्न प्रतीत होती हैं, किंतु दोनों का उद्देश्य एक ही है- सत्य की तलाश। मनुष्य सोचता है कि वह एक छोटा-सा प्राणी है, जो विशाल संसार को बाहर से देख रहा है। परंतु हम बाहर खड़े दर्शक नहीं हैं। हम उसी महान कथा का एक जीवित अध्याय हैं। ब्रह्मांड हमारी आंखों से स्वयं को देख रहा है और हमारे प्रश्नों के माध्यम से स्वयं को समझने का प्रयास कर रहा है। यदि ऐसा है, तो अपने भीतर की यात्रा केवल व्यक्तिगत नहीं रह जाती और तब वह ब्रह्मांड की यात्रा बन जाती है। जब आप अपने भय को समझते हैं, तब केवल एक व्यक्ति का भय नहीं समझा जाता। आप उस मानवीय अनुभव को समझते हैं, जो असंख्य लोगों में समान रूप से मौजूद है। विज्ञान हमें सिखाता है कि ब्रह्मांड को जितना हम जानते हैं, वह उससे कहीं अधिक अब भी अज्ञात है। जितनी दूर हमारी दूरबीनें पहुंचती हैं, उतना ही स्पष्ट होता जाता है कि रहस्य अभी शेष है। यही बात भीतर की यात्रा पर भी लागू होती है। जो व्यक्ति स्वयं को पूरी तरह जान लेने का दावा करता है, वह शायद स्वयं को सबसे कम जानता है। अपने भीतर उतरना किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंच जाना नहीं, बल्कि सवालों के साथ जीना सीखना है। बाहर की खोज हमें शक्ति देती है, लेकिन भीतर की खोज हमें बुद्धि देती है। बाहर की यात्रा हमें ज्ञान देती है, भीतर की यात्रा उस ज्ञान को अर्थ देती है। अपने भीतर की यात्रा और ब्रह्मांड की यात्रा दो अलग-अलग पथ नहीं हैं, वे एक ही वृत्त की दो दिशाएं हैं, जो अंत में एक ही केंद्र पर मिलती हैं। मनुष्य का सबसे गहरा अभियान किसी दूरस्थ तारे तक पहुंचना नहीं, बल्कि उस मौन तक पहुंचना है, जहां उसे पहली बार अनुभव होता है कि वह ब्रह्मांड से अलग नहीं है। वही क्षण भीतर की यात्रा का भी शिखर है और ब्रह्मांड की यात्रा का भी। मनुष्य की महान यात्रा केवल तारों व आकाशगंगाओं तक पहुंचने की नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपे सत्य, चेतना व मौन को पहचानने की है। जब हम स्वयं से संवाद करने का प्रयास करते हैं, तब हम समूची मानवता और ब्रह्मांड के गहरे रहस्य का स्पर्श करते हैं। बाहरी ज्ञान हमें दिशा देता है, जबकि आत्मबोध उस ज्ञान को उद्देश्य व अर्थ प्रदान करता है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से बदला मौसम

उमस भरी गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह से मौसम का मिजाज बदल गया है। एनसीआर के कई क्षेत्रों (नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद) में झमाझम बारिश से मौसम सुहावना हो गया है और उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली है। बारिश से सुबह स्कूल और दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अभी दो तीन बादलों की आवाजाही बनी रहेगी, हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा भी संभावित है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा। सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है।

दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बीच बीच मे धूप खिले रहने पर उमस से भी परेशानी होगी। उधर, सोमवार को सुबह साढ़े 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 134 दर्ज किया गया। इसे %मध्यम% श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। हाल फिलहाल इसमें खास बदलाव नहीं होगा। बीते तीन दिन से आसमान में मंडराते बादलों की छाया में चिलचिलाती धूप से कुछ राहत मिली हुई है। रविवार को सुबह से शाम तक आसमान में घने बादल छाए रहे। बीच बीच में कुछ देर के लिए ही धूप निकली। हालांकि उमस भरी गर्मी बढ़ जाने की वजह से लोगों को काफी ज्यादा परेशानी रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में घने बादल छाए रहेंगे। बारिश होने के भी आसार हैं। जिससे तापमान में गिरावट के साथ गर्मी से भी राहत रहेगी। बीते तीन दिन से लगातार आसमान में घने बादल छाए हुए हैं। लोगों को वर्षा होने की उम्मीद थी, लेकिन इंतजार रविवार को भी परा नहीं हो सका।

साइबर सिटी में बदला मौसम का मिजाज, बूंदाबांदी शुरू

सुबह सवेरे से ही छाए घने बादलों को देखकर लगातार वर्षा होने के आसार लग रहे थे। बीच बीच में कुछ देर के लिए ही धूप निकली रही। पूरे दिन बादल छाए रहे, लेकिन वर्षा नहीं हुई। जिससे धूप से तो निजात मिली, लेकिन उमस भरी गर्मी से परेशानी काफी ज्यादा बढ़ गई।

दिल्ली में झुग्गियों में रहने वाले परिवारों के लिए खुशखबरी, 10 साल से खाली 35 हजार फ्लैटों के आवंटन की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में झुग्गी पुनर्वास को लेकर भाजपा सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार का लक्ष्य अगले विधानसभा चुनाव से पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए बने करीब 35 हजार फ्लैटों का आवंटन करना है। इसके लिए वर्षों से खाली पड़े फ्लैटों की मरम्मत कर उन्हें रहने योग्य बनाया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे हजारों झुग्गी परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा सकेगा।

ये फ्लैट दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) और दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं ढांचागत विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने केंद्र सरकार के सहयोग से विभिन्न आवास योजनाओं के तहत तैयार किए थे।

10 साल से नहीं हो सका आवंटन : अधिकांश फ्लैट वर्ष 2015-16 तक बनकर तैयार हो गए थे, लेकिन पिछले एक दशक में इनका आवंटन नहीं हो सका। लंबे समय तक खाली रहने और नियमित रखरखाव नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में फ्लैटों की स्थिति खराब हो गई।

फ्लैटों की मरम्मत और आवंटन का रोडमैप तैयार: सरकार ने अब इन आवासों की मरम्मत और पुनर्विकास को मंजूरी दे दी है। पहले चरण में द्वारका, बवाना, पूठ खुर्द, सुल्तानपुरी समेत अन्य क्षेत्रों में बने फ्लैटों की मरम्मत कराई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि लगभग आधे फ्लैटों को दोबारा रहने योग्य बनाने के लिए व्यापक मरम्मत की जरूरत है। इनमें बिजली, पानी, सीवर, प्लास्टर, दरवाजे-खिड़कियां और अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाएगा। सरकार की योजना है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद पात्र लाभार्थियों की पहचान कर चरणबद्ध तरीके से फ्लैटों का आवंटन शुरू किया जाए। इसके लिए पात्रता मानदंड और आवंटन प्रक्रिया को अंतिम रूप देने पर भी काम चल रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि उद्देश्य केवल खाली पड़े आवासों का उपयोग करना नहीं, बल्कि झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को सम्मानजनक और स्थायी आवास उपलब्ध कराना भी है।

ओखला में खुले नाले में जोड़ी सरकारी कॉम्प्लैक्स की सीवर लाइन, जल बोर्ड-एमसीडी की अनदेखी से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट राजधानी के साथ ही देश के आर्थिक विकास के मार्ग को प्रशस्त कर रहा है। पर यहां के उद्यमी स्थानीय जन समस्याओं से उबर ही नहीं पा रहे। ऐसी ही एक समस्या सी-लाल चौक से ओखला फेज दो जाने वाले मार्ग पर पुलिस बूथ के सामने पिछले चार वर्षों से बनी हुई है। वर्षा जल की निकासी के लिए बने एसीडी के खुले नाले में नियम के विपरीत सरकारी काम्प्लैक्स की सीवर लाइन जोड़ दी गई। नाला काम्प्लैक्स के सीवेज प्रेशर के लिए बना ही नहीं है। ऐसे में समय-समय पर पानी बैक होकर सड़क पर आता रहता है।

मामले में स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों की ओर से कई बार एमसीडी व जल बोर्ड से शिकायत की गई। पर न तो एमसीडी सरकारी काम्प्लैक्स पर जुर्माना लगा पाया और न ही जल बोर्ड समस्या का समाधान ही निकाल पाया।

कॉम्प्लैक्स के पीछे की लेन में है एमसीडी का नाला: जानकारी के मुताबिक ओखला फेज-दो में प्लाट नंबर बी-19/1 पर एफआइईई (फ्लैटेड फैक्ट्रीज फार इंडस्ट्रियल एंड इलेक्ट्रानिक इंटरप्राइज काम्प्लेक्स) है। जब यह काम्प्लैक्स बन रहा था तब नक्शे के मुताबिक सीवर का मिलान सी-लाल चौक की तरफ जल बोर्ड की सीवर लाइन में होना था। काम्प्लैक्स के पीछे की लेन में एमसीडी का नाला भी है। आरोप है कि सीवर कनेक्शन सामने जल बोर्ड की लाइन में करने की बजाय पीछे की लेन में एमसीडी के नाले के कर दिया गया। काम्प्लैक्स से भारी मात्रा में निकलने वाले सीवर व अन्य प्रकार के दूषित जल का प्रेशर नाला झेल नहीं पाता। एफआइईई की पीछे इंडस्ट्रियल एस्टेट की सड़क पर पुलिस बूथ के सामने बार-बार ओवरफ्लो होता रहता है। शिकायतकर्ता रतन सिंह, संतोष गुप्ता, मुकेश राय व सुहैल बेग के मुताबिक जनप्रतिनिधियों के साथ ही जल बोर्ड से कई बार शिकायत की गई, पर जलभराव की समस्या दूर नहीं हो पा रही।

एम्स निदेशक पद की दौड़ में कौन आगे? 26 जुलाई तक आवेदन का मौका

कई दिग्गज डॉक्टर रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान एम्स के स्थायी निदेशक पद के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। केंद्र सरकार ने इस पद के लिए 26 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि है। इसके बाद चयन समिति प्राप्त आवेदनों की जांच, पात्र उम्मीदवारों का मूल्यांकन और साक्षात्कार के बाद अपनी सिफारिश केंद्र सरकार को भेजेगी।

नए निदेशक की नियुक्ति इसी प्रक्रिया के आधार पर होगी। पूर्व निदेशक डा. एम. श्रीनिवास के नीति आयोग का सदस्य बनने के बाद यह पद रिक्त हुआ था। फिलहाल एंडोक्राइनोलाजी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. निखिल टंडन कार्यवाहक (आफिसिएटिंग) निदेशक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। संस्थान और स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्हें पद के लिए मजबूत संभावित दावेदारों में माना जा रहा है।

इन नामों पर चर्चा: एम्स निदेशक पद की दौड़ में चर्चा में जिन नामों को प्रमुख माना जा रहा है, उनमें वर्तमान कार्यवाहक निदेशक एवं एंडोक्राइनोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. निखिल टंडन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रो. नीना मल्होत्रा, मेडिसिन विभाग के प्रो. नवीत विग, रूमेटोलाजी विभाग की प्रो. उमा कुमार, सेंटर फार कम्युनिटी मेडिसिन के प्रो. संजय राय तथा फारेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रो. सुधीर कुमार गुप्ता प्रमुख तौर पर शामिल हैं।

एम्स की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ये सभी वर्तमान में एम्स में कार्यरत हैं। एम्स सूत्रों के अनुसार निदेशक पद की दौड़ केवल एम्स नई दिल्ली तक सीमित नहीं है। पात्रता पूरी करने वाले देश के अन्य एम्स और प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रशासक भी इस पद के लिए आवेदन कर रहे हैं। प्रतिस्पर्धा कड़ी है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से अभी तक किसी उम्मीदवार के आवेदन या शार्टलिस्ट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की गई है कि निदेशक पद के लिए अब तक कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं।

निर्माणाधीन इमारत में लिफ्ट गिरने से महिला की दर्दनाक मौत

परिजनों ने लगाए लापरवाही के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बेगमपुर थाना अंतर्गत राजीव नगर इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में बिल्डिंग मेटेरियल ले जाने में इस्तेमाल लिफ्ट के गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

मृतका की पहचान 46 साल की मंजू के तौर पर की गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त महिला दूध लाने के लिए घर से निकली थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन कर रही है। इस बाबत लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 9.20 बजे बेगमपुर थाना पुलिस को इस हादसे की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी मंजू को नजदीकी अस्पताल में लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि मंजू अपने परिवार के साथ जैन नगर में रहती थी। उसके परिवार में पति ओमकार और दो बेटियां और एक बेटा हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। मंजू के पति ओमकार ने बताया कि रविवार को वह दूध लेने जा रही थी। इसी दौरान वह निर्माणाधीन मकान के समीप से गुजरी, तभी अचानक लिफ्ट उसके सिर पर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गई। इसके बाद हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई।

स्वजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया: मंजू के भाई जीतू का कहना निर्माण स्थल पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। मैटेरियल लिफ्ट सड़क पर लगाई गई थी। आस पड़ोस के लोगों ने इसका विरोध भी जताया था लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। उसने आरोपित मकान मालिक पर सख्त कारवाई की मांग की है। मंजू के पति ओमकार ने बताया कि अगर निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो उनकी पत्नी आज जिंदा होती। इस हादसे के बाद उनलोगों का रो रोकर बुरा हाल है। उनके अनुसार लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ और जिम्मेदार लोगों पर कारवाई होनी चाहिए।

30 साल बाद एक्शन में अमेरिका की गुप्त अदालत, ट्रंप प्रशासन ने विदेशी आतंकी को खदेड़ने के लिए दायर की पहली याचिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने 30 वर्ष पहले अमेरिका से तथाकथित विदेशी आतंकियों को निर्वासित करने के सरकारी अनुरोधों पर विचार करने के लिए बनाई गई एक गुप्त और निष्क्रिय अदालत में पहली बार याचिका दायर की है।

बता दें कि विदेशी आतंकवादी निष्कासन न्यायालय की स्थापना 1996 में हुई थी, लेकिन इसमें पहली याचिका पिछले बुधवार को दायर की गई। न्याय विभाग ने एक ऐसे व्यक्ति को निष्कासित करने के लिए याचिका दायर की है, जिसका नाम अदालत की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक पृष्ठ के दस्तावेज में गुप्त रखा गया है।

सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ?: पांच सदस्यों वाली अदालत की मुख्य न्यायाधीश जोन एरिक्सन ने याचिका के जवाब में लिखित रूप से कहा कि गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत के मन में सरकार की ओर से प्रतिवादी पर लगाए गए आरोपों और उस पर लगाई गई खास धाराओं व उप-धाराओं के बीच संबंधों पर कई सवाल थे। मिनेसोटा की फेडरल जज एरिक्सन ने लिखा, जवाबों से अदालत को यकीन हो गया कि सरकार को इस मामले पर और सोच-विचार करने का मौका मिलने से फायदा हो सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई आसमान में हुंकार भरेंगे भारत के राफेल, पिच ब्लैक में दिखेगा दम

कैनबरा, एजेंसी। भारतीय वायुसेना सोमवार से रायल आस्ट्रेलियाई वायुसेना (आरएएएफ) के बेस डार्विन में आयोजित होने वाले अभ्यास पिच ब्लैक 2026 में अपने शौर्य का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सात अगस्त तक चलने वाला यह द्विवार्षिक युद्धाभ्यास आरएएएफ का सबसे प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय हवाई मुकाबला है। 45वें वर्ष में प्रवेश कर चुका यह आयोजन इस बार इतिहास के सबसे बड़े वायुसैनिक जमावड़ों में से एक का गवाह बनने जा रहा है।

रात के सन्नाटे को चीरेगी राफेल की गर्जना

इस खास युद्धाभ्यास का नाम पिच ब्लैक इसलिए रखा गया है क्योंकि इसका मुख्य फोकस उत्तरी आस्ट्रेलिया के विशाल और कम आबादी वाले इलाकों में रात के घने अंधेरे में उड़ान भरने और युद्ध कौशल को निखारने पर होता है। भारत की ओर से इस बार आसमान के सिकंदर कहे जाने वाले राफेल लड़ाकू

विमान मुख्य भूमिका में होंगे। इन लड़ाकू विमानों को युद्धक सहायता प्रदान करने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर तृतीय रणनीतिक परिवहन विमान और हवा में ही ईंधन भरने वाला आइएल-78 टैंकर विमान भी मोर्चे पर तैनात रहेंगे।

इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन और रणनीतिक विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। यह अभ्यास न केवल लंबी दूरी के अभियानों को परखने का सुनहरा अवसर है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और आपसी तालमेल को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भारत 2018, 2022 और 2024 के संस्करणों में अपनी धाक जमा चुका है। इस बार भी यह वैश्विक मंच भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत, पेशेवर साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को पूरी दुनिया के सामने मजबूती से पेश करेगा।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

एफिल टावर पहुंचकर टूटा महिला का सपना, बोली-सपनों का पेरिस सिर्फ सोशल मीडिया पर, दिखाई असलियत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस और एफिल टावर को दुनिया के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। सोशल मीडिया पर इसकी आकर्षक तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों को यहां आने के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन अब एक महिला ट्रैवल ब्लॉगर का वीडियो वायरल होने के बाद एफिल टावर को लेकर नई बहस छिड़ गई है। महिला ने अपने अनुभव साझा करते हुए भीड़, धूल, कथित गंदगी, जेबकतरों की चेतावनी और अव्यवस्थाओं को दिखाया, जिसे अब तक 7 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। महिला, जिनकी पहचान मेहरमा के रूप में बताई जा रही है, ने इंस्टाग्राम पर साझा वीडियो में दावा किया कि एफिल टावर तक पहुंचने वाले कई रास्तों पर धूल, सूखी घास और भीड़ देखने को मिली।

उनके अनुसार, टावर तक पहुंचते-पहुंचते पर्यटक धूल से भर सकते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि छोटे बच्चे के साथ प्रैम लेकर चलना आसान नहीं था। कुछ स्थानों पर उन्हें प्रैम मोड़कर बच्चे और सामान के

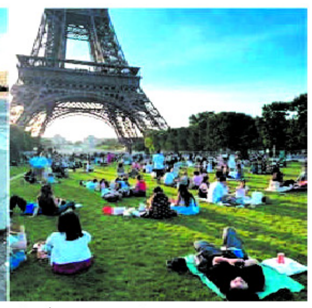

साथ सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं, जिससे उन्हें काफी परेशानी हुई। वीडियो में मेहरमा ने कई ऐसे चेतावनी बोर्ड दिखाए, जिनमें पर्यटकों को जेबकतरों से सतर्क रहने की सलाह दी गई थी।हालांकि यह चेतावनी दुनिया के अधिकांश बड़े पर्यटन स्थलों पर आम बात है, लेकिन उन्होंने इसे अपने अनुभव का हिस्सा बताते हुए कहा कि पर्यटकों को हर समय अपने सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना पड़ता है।

एफिल टावर के ऊपरी हिस्से तक जाने के दौरान महिला ने दावा किया कि लिफ्ट में काफी भीड़ थी और अंदर गर्मी महसूस हो रही थी।उन्होंने वीडियो में कथित तौर पर मकड़ी के जाले और कुछ स्थानों पर क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे शीशों की ओर भी इशारा किया। हालांकि इन दावों की किसी आधिकारिक संस्था ने पुष्टि नहीं की है।महिला ने यह भी स्वीकार किया कि एफिल टावर की पहली मंजिल से दिखाई देने वाला पेरिस का दृश्य बेहद खूबसूरत था और उन्हें काफी पसंद आया।लेकिन उनका कहना था कि ऊपरी मंजिल पर पहुंचने के बाद भीड़ और सुरक्षा बैरियर की वजह से उन्हें खुला दृश्य देखने का वैसा अनुभव नहीं मिला, जैसा उन्होंने सोशल मीडिया पर देखा था।

मेहरमा ने एफिल टावर के अलावा पेरिस के अन्य इलाकों के भी दृश्य दिखाए, जहां उन्होंने कथित तौर पर कूड़ा, ग्रैफिटी, बेघर लोगों और भीड़भाड़ का जिक्र किया।उन्होंने कहा कि शहर के कुछ हिस्सों में एक ओर आधुनिकता और चमक दिखाई देती है, जबकि दूसरी ओर गरीबी और अव्यवस्था भी नजर आती है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ यूजर्स ने महिला के अनुभव से सहमति जताते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर पेरिस की वास्तविक तस्वीर कम दिखाई जाती है। वहीं कई लोगों ने एफिल टावर और पेरिस का बचाव करते हुए कहा कि हर पर्यटक का अनुभव अलग हो सकता है और किसी एक वीडियो के आधार पर पूरे शहर का आकलन नहीं किया जाना चाहिए।

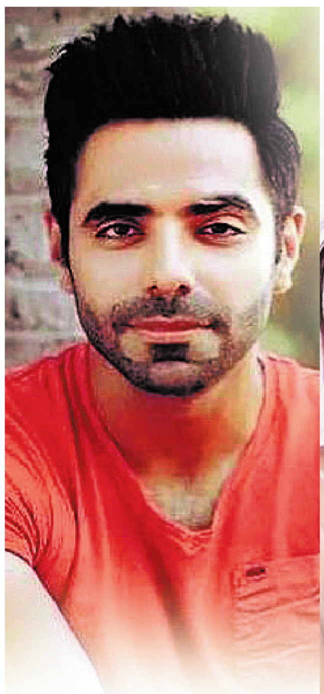

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

बेटे की काबिलियत पर भरोसा है

गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

भारत-जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज कल से होगी शुरू

वैभव सूर्यवंशी मचाएंगे तूफान, 2 खिलाड़ियों का होगा डेब्यू!

15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड दौरे पर काफी बवाल मचा था। उनको प्लेइंग-11 में जगह देने की वकालत चारों तरफ से की जा रही थी। हालांकि, बाएं हाथ का ये बल्लेबाज तीन मैचों में कुछ कमाल नहीं कर सका। अब जब टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर है तो नजरें फिर वैभव की तरफ हैं और उनके बल्ले से तूफानी पारियां देखने की उम्मीदें भी इंग्लैंड से ज्यादा हैं।

इस दौरे पर भारत ने भारत ने युवा खिलाड़ियों से सजी टीम चुनी है और 23 जुलाई यानी गुरुवार को खेले जाने वाले मैच में दो खिलाड़ियों का डेब्यू भी हो सकता है। वैभव का अभिषेक के साथ ओपनिंग करना तो पक्का माना जा रहा है। इनके अलावा कौनसे खिलाड़ी अंतिम एकादश का हिस्सा हो सकते हैं, बताते हैं आपको।

अभिषेक और वैभव की ओपनिंग पक्की है। जिम्बाब्वे इंग्लैंड के मुकाबले कमजोर टीम है और ऐसे में ये दोनों बल्लेबाज अपनी तूफानी बल्लेबाजी से यहां रनों का तूफान खड़ा कर सकते हैं। इनके बाद तीसरे नंबर पर ईशान किशन का नाम है। इंग्लैंड दौरे पर भी वह चले नहीं थे, लेकिन यहां उनको फिर मौका मिल सकता है। उनके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे और उप-कप्तान तिलक वर्मा। शिवम दुबे का खेलना भी इस मैच में पक्का है। इस सीरीज में न अक्षर पटेल

हैं और न ही वॉशिंगटन सुंदर। सुंदर को हाल ही में चोट लगी थी। हर्ष दुबे को टीम में जगह मिली है और अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू करने वाला ये बाएं हाथ का स्पिनर जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू भी कर सकता है। मुख्य स्पिनर के दौर पर रवि बिश्नोई का खेलना पक्का माना जा रहा है। वहीं लंबे समय बाद टीम में लौट रहे मयंक यादव की भी प्लेइंग-11 में वापसी पक्की है। वह प्रिंस यादव के साथ जोड़ बनाएंगे। इन दोनों के अलावा अशोक शर्मा तीसरे गेंदबाज की भूमिका में दिख सकते हैं। बहुत संभावना है कि अशोक अपना डेब्यू कर लें।

647 दिन बाद टीम इंडिया में लौटेगा खूंखार गेंदबाज, तोड़ न दे जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों के हाथ पैर!

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में मिली निराशा को भुलाकर अब जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने के लिए तैयार है। श्रेयस अय्यर जब से भारत की टी20 टीम के कप्तान बने हैं तब से टीम ने एक भी जीत हासिल नहीं की है। यहां अय्यर अपना खाता खोलना चाहेंगे, लेकिन इन सब के बीच एक खूंखार गेंदबाज की वापसी पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

इस खिलाड़ी को काफी समय से देखा जा रहा है, लेकिन चोट के कारण इस गेंदबाज का करियर अभी तक अच्छी तरह से उड़ान नहीं भर पाया है। इस गेंदबाज का नाम है मयंक यादव। मयंक को भारतीय गेंदबाजी का भविष्य माना जा रहा है और अगर वह अपने फॉर्म में रहे तो किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशान कर सकते हैं।

हवा से बातें करती हैं मयंक की गेंदें-भारत में जब कोई तेज गेंदबाज निकलकर आता है तो उसकी सीम, स्विंग, लाइन-लैंग्थ की तारीफ होती है क्योंकि भारत से अधिकतर गेंदबाज इन्हीं खासियत के साथ आते हैं, लेकिन मयंक के पास कुछ अलग है और वो है उनकी स्पीड। उनकी रफ्तार भरी गेंदें हवा से बातें करती हैं जो कई बार बल्लेबाजों को नजर तक नहीं आती हैं। आईपीएल में वह 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक चुके हैं। ये गेंद उन्होंने साल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ फेंकी थी। वह आसानी से 150 की स्पीड छू सकते हैं और ऐसे में वह जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के लिए खतरा बन सकते हैं। जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों को इतनी तेज गेंदें खेलने की आदत नहीं है ऐसे में ये डर हमेशा बना रहेगा कि मयंक की गेंद पर वह चोटिल न हो जाएं।

647 दिनों बाद वापसी-मयंक भारत के लिए डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने अपना पहला मैच छह अक्टूबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। इसी टीम के खिलाफ उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी मैच इसी सीरीज में 12 अक्टूबर को खेला था। अगर वह 23 तारीख को खेलते हैं तो 647 दिनों बाद उनकी टीम इंडिया में वापसी होगी। मयंक ने भारत के लिए तीन टी20 खेले हैं और चार विकेट लिए हैं। उनकी चोटों का जो इतिहास रहा है उसे देखते हुए टीम मैनेजमेंट को ये चिंता जरूर रहेगी कि वह दोबारा चोटिल न हो जाएं।

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफा

फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए।

झड़प में क्या हुआ?-परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप है। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है। इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

प्लेयर्स पर 3 मैचों का प्रतिबंध लग सकता है- फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद-14 के तहत हिंसक आचरण साबित होने पर खिलाड़ियों को न्यूनतम तीन आधिकारिक मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है।

नियमों में बड़े बदलाव करने जा रहा है बीसीसीआई, घरेलू क्रिकेट में दिखेगा असर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) द्वारा प्रस्तावित नियमों को अपने घरेलू क्रिकेट में लागू करने का फैसला किया है। बीसीसीआई ये नियम अपने घरेलू क्रिकेट में लागू करेगा। लंदन स्थित एमसीसी ने क्रिकेट में बदलाव को लेकर कई नियम सुझाए थे जो बीसीसीआई लागू करने जा रहा है और उसने इनकी प्रतियां सभी राज्य संघों को भेज दी हैं ताकि आने वाला घरेलू सीजन बिना किसी कन्फ्यूजन के आयोजित किया जा सके। इन बदलावों में एक निमय टेस्ट क्रिकेट में आखिरी ओवर को लेकर है। नए नियम के मुताबिक अगर दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिर भी जाता है तो ओवर पूरा किया जाएगा। पहले होता ये था कि अंपायर ऐसी स्थिति में दिन का खेल खत्म करने का एलान कर देते थे। इसके अलावा वनडे और टी20 में लेग साइड की वाइड को लेकर भी नए मामूली बदलाव हैं। भारत के घरेलू टूर्नामेंट्स में ये बदलाव देखने को मिलेंगे जिसमें रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सहित कई अन्य टूर्नामेंट्स शामिल हैं।

बीसीसीआई द्वारा लागू किए जाने वाले नियम

- अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दिन का आखिरी ओवर पूरा करना जरूरी होगा चाहे विकेट क्यों न गिर जाए।
- अगर बल्लेबाजों ने जानबूझकर कम रन लिए तो ऐसी स्थिति में फील्डिंग करने वाली टीम के कप्तान को ये फैसला करने का अधिकार होगा कि अगली गेंद पर कौनसा बल्लेबाज स्ट्राइक पर होगा।
- वनडे और टी20 में लेग साइड की वाइड को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं।
- वनडे मैचों के दौरान टीम के हेड कोच ड्रिंक्स ब्रेक में मैदान पर आ सकेंगे।
- वनडे मैचों के दौरान ड्रिंक्स ब्रेक में हेड कोच को मैदान में एंट्री की इजाजत होगी.
- गेंद को डेड घोषित करने के नियम में भी बदलाव हुआ है। अब इसके लिए गेंद का विकेटकीपर के हाथ में या गेंदबाज के पास होना जरूरी नहीं है। अगर गेंद किसी फील्डर के पास है या फिर गेंद मैदान पर गिरी हुई है तब भी वह डेड होगी।
- सभी फील्डरों का गेंद फेंके जाने के समय बाउंड्री के अंदर होना जरूरी होगा। ये इस बात को सुनिश्चित करने के लिए है कि खेल बाउंड्री के अंदर होता है और साथ ही लेग साइड के कमियों की भरपाई करने के लिए भी है।
- विकेटकीपर को गेंद फेंके जाने के समय विकेट के पीछे होना होगा, पहले ये गेंद के प्ले में आने के समय से शुरू होता था। इसके अलावा अब विकेटकीपर पर अब रन-अप के दौरान अपने दस्ताने आगे रखने पर जुर्माना नहीं झेलना पड़ेगा।

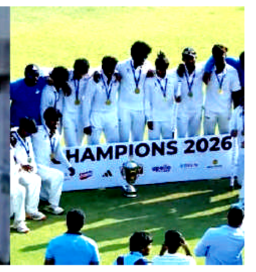

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की

कमिंस, हैजलवुड और नाथन लियोन की वापसी, 13 अगस्त से पहला मैच डार्विन में

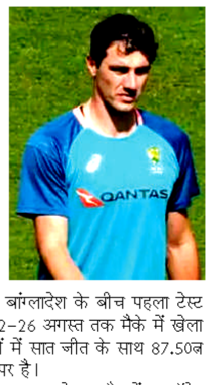

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हैजलवुड और अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। तीनों चोट के कारण हालिया मैचों से बाहर थे। कमिंस पीठ की चोट से उबरने के बाद एशेज में सिर्फ एक टेस्ट खेल पाए थे। हैजलवुड एड़ी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरी सीरीज से दौरे से बाहर रहे थे। लियोन को एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी करानी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 13-17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा 22-26 अगस्त तक मैके में खेला जाएगा। फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में सात जीत के साथ 87.50त्न अंक लेकर डब्ल्यूटीसी तालिका में टॉप पर है।

सीनियर बॉलर्स की वापसी के साथ माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने कहा कि जरूरत पड़ने पर एक्स्ट्रा प्लेयर्स को टीम से जोड़ा जा सकता है। ओपनर उस्मान ख्वाजा के रिटायर होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टॉप ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। ट्रैविस हेड ओपनिंग करेंगे और जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है। खराब फॉर्म के बावजूद मार्नस लाबुशेन टीम में बरकरार हैं।

स्वास्थ्य

आंखों में देसी घी लगाने से होते है ये फायदे

देसी घी खाने के कई फायदे होते हैं। इससे आपका शरीर स्वस्थ रहता है और हड्डियां मजबूत होती है। यह आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और कोलेस्ट्रॉल लेवल को नियंत्रित रखता है। कइ लोगों के यह लगता है कि घी खाने से मोटापा बढ़ सकता है लेकिन ऐसा नहीं होता है। अगर आप देसी घी का सेवन करते हैं, तो इससे आपके पेट की चर्बी कम हो सकती है। साथ ही बॉडी में गुड फैट भी बना रहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि आंखों पर देसी घी लगाने से आपको कई लाभ मिल सकते हैं। इससे आपके आंखों की सूजन, जलन और रैशेज की समस्या दूर हो सकती है।

साथ ही देसी घी आंखों में लगाने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और फिर ये आंखों की मांसपेशियों में आराम दिला सकता है। अगर आपको डार्क सर्कल्स की समस्या है, उनको दिनभर में एक बार आंखों में देसी घी जरूर लगानी चाहिए।

आंखों का दर्द दूर करे : कई लोगों को दिनभर की थकान और कामकाज के बाद आंखों में दर्द की परेशानी होने लगती है। आंखों में दर्द के कारण सिरदर्द और भारीपन की दिक्कत भी महसूस होने लगती है। ऐसे में आप आंखों की कमजोरी और थकान दूर करने के लिए देसी घी का इस्तेमाल कर सकते हैं। रात को सोने से पहले आप देसी घी हथेली में लेकर उंगलियों के मदद से आंखों के आसपास सर्कल बनाकर मसाज करें। इससे आंखों का दर्द और कमजोरी दूर हो सकती है।

आंखों में जलन और सूजन : आंखों में जलन और सूजन को दूर करने के लिए आप आंखों में घी लगा सकते हैं। देसी घी में विटामिन ए, डी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, मिनरल्स और पोटैशियम पाए जाते हैं, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और जलन को दूर कर सकता है। इसके लिए आप आंखों के पास घी लगाकर मालिश करने से सूजन दूर हो सकती है।

डार्क सर्कल्स कम करे : डार्क सर्कल्स की समस्या को दूर करने के लिए आप आंखों में देसी घी लगा सकते हैं। इससे आंखों की आसपास ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और डार्क सर्कल्स की परेशानी दूर हो सकती है। इससे आपके आंख सुंदर नजर आते हैं। इसके अलावा आप रात को भरपूर नींद भी लें। ये स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

रोशनी बढ़ाने के लिए उपयोगी : आज के समय में अधिक देर तक कंप्यूटर और मोबाइल फोन चलाने के कारण लोगों की आँखों की रोशनी कमजोर होती जा रही है। ऐसे में धीरे-धीरे आंखों कमजोर होने लगते हैं और मांसपेशियों में खिंचाव महसूस होने लगती है। ऐसे में देसी घी से मसाज करने से आंखों की रोशनी बढ़ सकती है और साथ ही मांसपेशियों को आराम मिलता है।

आँखों के आसपास रैशेज : बारिश के मौसम में आंखों या स्किन पर रैशेज की समस्या हो सकती है। ऐसे में इन रैशेज और एलर्जी को दूर करने के लिए आप आंखों के आसपास देसी घी लगा सकते हैं।

उल्टा सोने की आदत से हो सकते है ये नुकसान

सोने की सही आदत शरीर को स्वस्थ रहने में मदद करती है। कई बार हम गलत पोजीशन में सोते हैं, जिस कारण कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। कुछ लोगों को पेट के बल यानी उल्टा लेटकर सोने की आदत होती है। ये स्लीपिंग पोजीशन शरीर के लिए अच्छी नहीं मानी जाती है। उल्टे होकर सोने से बॉडी पॉश्चर सही नहीं रहता जिस कारण गर्दन, पीठ और कूल्हे में दर्द रह सकता है। कोई व्यक्ति अगर लंबे समय से पीठ के बजाय पेट के बल सोता है, तो उसे कई बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। उल्टा सोने से नींद में भी बाधा उत्पन्न होती है। कई बार उल्टा सोने की आदत की वजह से नींद न पूरी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

सिर में भारीपन रहना : कई बार उल्टा सोने की आदत की वजह से नींद नहीं पूरी होती, जिस कारण सिर भारी रहने लगता है। अगर आप तकिया लगाकर उल्टा सोते हैं, तो इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है, जिस कारण सिर में भारीपन और सिरदर्द की समस्या हो सकती हैं। लंबे समय तक उल्टे सोने से सिरदर्द की समस्या बढ़ भी सकती है।

गर्दन में दर्द : उल्टे सोने की आदत की

वजह से गर्दन के दर्द की समस्या हो सकती है। उल्टा सोने की वजह से गर्दन मुड़ी रहती है, जिस कारण सिर तक ब्लड की सप्लाई प्रभावित होती हैं और गर्दन मे दर्द होता हैं। कई बार ये दर्द लगातार रहने से सर्वाइकल की समस्या भी हो सकती है। गर्दन का दर्द कंधों और हाथों तक भी पहुंच जाता है, जिस कारण नॉर्मल काम करने में भी परेशानी हो सकती है।

पेट की समस्या : उल्टा सोने की आदत की वजह से पेट से जुड़ी भी कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लगातार उल्टा सोने की वजह से अपच, कब्ज और पेट में दर्द जैसी समस्याएं बनी रहती हैं। उल्टा सोने की वजह से रात भर पेट पर भार बना रहता है, जो खाना पचाने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। इससे बाद में कब्ज और अपच आदि समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

स्किन से जुड़ी परेशानियां : नींद पूरी नहीं होने के कारण स्किन बेजान और डल नजर आती है। उल्टा सोने की वजह से स्किन को ठीक ढंग से ऑक्सीजन का सप्लाई नहीं हो पाता, जिस कारण स्किन से जुड़ी परेशानियों होने का खतरा बना रहता है। कई बार उल्टा सोने की वजह से नींद में बार-बार खलल पड़ता है और नींद पूरी नहीं हो पाती। इससे स्किन पर पिंपल्स, एक्ने और झुर्रियां आदि की समस्या भी बढ़ने लगती है। कई बार बेड पर मौजूद गंदगी स्किन पर कई प्रॉब्लम्स का कारण बनती है।

ब्रेस्ट में दर्द : महिलाएं अगर लगातर उल्टा सोती हैं, तो ब्रेस्ट में दर्द हो सकता है। पेट के बल सोने की वजह से ब्रेस्ट पर लगातार दबाव बनता है और उनमें दर्द की शिकायत हो सकती है। प्रेगनेंट महिलाओं को भी उल्टा सोने की आदत से भी बचना चाहिए। उल्टा सोने की वजह से शिशु की सेहत को नुकसान हो सकता है।

हाथ के नाखून रगड़ने से मिल सकते हैं ये फायदे, इसका सही तरीका

हम में से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते हैं कि शरीर को सेहतमंद रखने में हमारे नाखून भी अहम भूमिका निभाते हैं। क्या आप जानते हैं सिर्फ नाखून से नाखून रगड़ने से ही कई गंभीर समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है? नाखून रगड़ना एक बेहतरीन व्यायाम है और इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं। जब आप हाथ के नाखूनों को आपस में रगड़ते हैं, तो इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। जब आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक से नहीं होता है तो इससे त्वचा, बाल, मस्तिष्क के साथ ही हड्डियों और मांसपेशियों को भी नुकसान पहुंचता है। ऐसे में नाखून रगड़ने से आपको इन स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है, लेकिन सिर्फ तब जब आप नाखूनों को आपस में सही तरीके से रगड़ते हैं। लेकिन बहुत से लोग नाखून रगड़ने का सही तरीका नहीं जानते हैं।

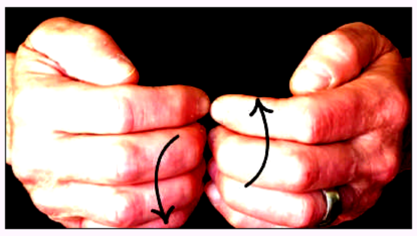

बालों की समस्याएं दूर होती हैं

नाखून आपस में रगड़ने के स्कैल्प तक ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है। इससे बालों का झड़ना कम होता है, बाल मजबूत होते हैं और बालों में प्राकृतिक चमक आती है।

गंजापन की समस्या के लिए रामबाण उपाय है

नियमित रूप से नाखून रगड़ने का अभ्यास करने बालों का झड़ना कम होता है। इससे बालों का रुका हुआ विकास फिर से शुरू होता है और नए बाल उगना शुरू होते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जब आप नाखूनों को आपस में रगड़ते हैं तो नर्व एंडिंग्स डेड हेयर फॉलिकल्स को दोबारा पुनर्जीवित करने के लिए मस्तिष्क को यह संकेत भेजती हैं।

ब्रेन फंक्शन में सुधार होता है

हमारे नाखूनों में कई एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जो सीधा मस्तिष्क से जुड़े होते हैं। जब आप नाखून रगड़ते हैं तो इससे एक्यूप्रेशर पॉइंट दबते हैं और मस्तिष्क के कार्य करने की क्षमता में सुधार होता है। इससे दिमाग तेज होता है और चिंता, तनाव जैसी समस्याओं का जोखिम कम होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद है

नाखून रगड़ने से त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है, यह आपकी त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है और त्वचा की कोशिकाओं को पोषण मिलता है। यह एजिंग के लक्षणों को कम करने में भी मदद करता है।

एलर्जी और चर्म रोग में आराम मिलता है

त्वची की कई समस्याओं जैसे चकत्ते, दानें, एलर्जी जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए भी नाखून रगड़ने का अभ्या बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

चेहरे पर चावल का आटा लगाने से दूर होती हैं कई समस्याएं...

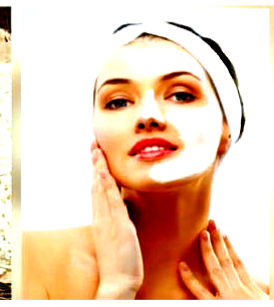

चावल का आटा हमारी से सेहत को तो दुरुस्त रखता ही है, साथ ही ये हमारे फेस के लिए भी काफी फायदेमंद है। चावल का आटा चेहरे पर लगाने से चेहरे की रंगत निखरती है, चेहरे के दाग-धब्बे दूर होते हैं, चेहरा चमकदार बनता है और टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। चावल का आटा एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और फोलिक एसिड से भरपूर होता है , जो चेहरे की कई समस्याओं को दूर करते हैं। इसका इस्तेमाल त्वचा के एक्सेस ऑयल को निकालने के लिए भी कर सकते हैं। चावल का आटा चावल को पीसकर बनाया जाता है। 1 चम्मच चावल के आटे को मलाई में मिला कर मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण को डार्क सर्कल पर अप्लाई करें। 15-20 मिनट इसे लगा रहने के बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें। लगातार ऐसा करने से डार्क सर्कल की समस्या दूर होती है। हफ्ते में दो बार इस नुस्खे को ट्राई कर सकते हैं।

रंगत निखारने के लिए

चावल का आटा त्वचा के नैचुरल रंगत को निखारने में मदद करता है। एक कटोरी में 1 चम्मच चावल का आटा, मैश किया हुआ कच्चा आलू, आधा चम्मच शहद और 1 चम्मच गुलाब जल मिला लें। अब इस मिश्रण को स्क्रब के जैसा चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट इस मिश्रण को लगाने के बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें।

दाग-धब्बे दूर करें

दाग-धब्बे चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। दाग-धब्बे कम करने के लिए 1 चम्मच चावल का आटे में 1 चम्मच गुलाब जल और 1 चम्मच बादाम का तेल मिक्स कर लें। इस मिश्रण को हफ्ते में 3 बार चेहरे के दाग-धब्बों पर लगाएं। जल्द ही आपको फर्क नजर आएगा।

मुहांसे की समस्या होती है दूर

चावल के आटे में ऑयल अब्सोर्बिंग प्रॉपर्टीज होती हैं। ज्यादा ऑयल चेहरे पर कील-मुंहासों को बढ़ाते हैं। इसलिए ऑयली स्किन वाले लोग चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकते है। इसको बनाने के लिए दो चम्मच चावल के आटे में गुलाबजल मिलाएं।इसका एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। फिर नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें।

ग्लो पाने के लिए

चेहरे के चमक बढ़ाने के लिए आप चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसको बनाने के लिए 1 चम्मच चावल का आटा, चंदन पाउडर और दही का एक पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगा रहने दें। इस पैक का इस्तेमाल आप हफ्ते में 2 बार कर सकती हैं। ध्यान रखें, चावल का आटा फेस पर लगाने से पहले पैच टेस्ट अवश्य करें। दिक्कत होने पर स्किन डॉक्टर से चर्चा करने के बाद ही इसका इस्तेमाल करें।

गर्मी–बारिश में मक्खियों से बढ़ता है बीमारियों का खतरा

इस प्रकार रखें दूर

गर्मी और बारिश का मौसम आते ही घरों में मक्खियों का भिनभिनाना एक आम समस्या बन जाती है। रसोई में रखे खाने से लेकर डाइनिंग टेबल और कूड़ेदान तक, ये छोटे कीट न सिर्फ घर के सदस्यों को परेशान करते हैं बल्कि अपने साथ गंदगी और कई तरह के कीटाणु भी लाते हैं। इसके साथ ही इससे बिमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

अक्सर लोग इन्हें भगाने के लिए महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स और स्प्रे का सहारा लेते हैं, लेकिन समस्या फिर भी बनी रहती है और मक्खियां बार–बार लौट आती हैं। अच्छी खबर यह है कि अगर आप भी हर साल इन बिन बुलाए मेहमानों से परेशान रहते हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान आदतें अपनाकर आप मक्खियों को घर से हमेशा के लिए दूर रख सकते हैं।

मक्खियां मुख्य रूप से गंदगी, सड़े–गले पदार्थों, खुले खाने और नमी की ओर आकर्षित होती हैं। यह जानकर कि ये क्यों आती हैं, इन्हें रोकना और भी आसान हो जाता है। अपनी दिनचर्या में कुछ छोटे बदलाव करके आप अपने घर को मक्खी–मुक्त और स्वच्छ बनाए रख सकते हैं।

इन आसान उपायों पर गौर करें : सबसे पहले, खिड़कियों और दरवाजों की जाली हमेशा सही हालत में रखें। यदि जाली कहीं से फटी हुई है या उसमें कोई गैप है, तो मक्खियां आसानी से घर में प्रवेश कर सकती हैं। समय–समय पर इनकी जांच करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें ठीक करवाएं। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है कूड़ेदान को प्रतिदिन खाली करना। रसोई का कूड़ा कई दिनों तक घर में न रखें, खासकर गर्मियों में, और कूड़ेदान का ढक्कन हमेशा बंद रखें। घर के बाहर वाले डस्टबिन को भी मुख्य दरवाजे से थोड़ी दूरी पर ही रखें।

इसी तरह, सड़े–गले फल और बचा हुआ खाना तुरंत हटा दें। केले के छिलके, कटे हुए फल या खराब सब्जियां खुली न छोड़ें, क्योंकि ये मक्खियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं। डस्टबिन और रीसाइक्लिंग बिन की सफाई भी बहुत जरूरी है। खाली बोतलें, जूस के डिब्बे और खाने के पैकेट फेंकने से पहले उन्हें पानी से धो लें, ताकि उनमें बदबू न बने और मक्खियां कम आएं।

ड्रेन की नियमित सफाई पर भी ध्यान दें। यदि सिंक या ड्रेन में गंदगी जमा हो गई है, तो वहां ड्रेन फ्लाई पनप सकती हैं। हफ्ते में एक–दो बार ब्रश और ड्रेन क्लीनर से अच्छी तरह सफाई करना सुनिश्चित करें। अगर आप बालकनी, छत या गार्डन में बाहर खाना खा रहे हैं, तो खाने को हमेशा जालीदार फूड कवर से ढककर रखें। इससे मक्खियां खाने पर नहीं बैठेंगी। मक्खियों को तेज हवा में बैठना पसंद नहीं होता, इसलिए पंखा चलाना एक आसान और प्रभावी तरीका है। रसोई में या बाहर खाना खाते समय पंखा या टेबल फैन चला देने से मक्खियां आसपास नहीं टिकतीं। अंत में, अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो उनकी गंदगी तुरंत साफ करें, क्योंकि यह भी मक्खियों को तेजी से आकर्षित करती है।

यदि घर में अचानक बहुत ज्यादा मक्खियां दिखाई देने लगें, ड्रेन के पास छोटी–छोटी मक्खियां मंडराएं या कूड़ेदान के आसपास उनके कीड़े दिखाई दें, तो समझिए कि समस्या बढ़ रही है और तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है। ऐसे में सबसे पहले उनकी पनपने की जगह ढूंढकर साफ करें। य, अपने घर की साफ–सफाई और कूड़ा इकट्ठा न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक महत्वपूर्ण है।

अगर घर में इक्का–दुक्का मक्खियां आ गई हैं, तो उन्हें मारने के लिए मक्खी मारने वाला बैट सबसे आसान तरीका है। मक्खी मारने के बाद उस जगह और बैट को अच्छी तरह साफ करना न भूलें। लेकिन यदि घर में ज्यादा संख्या में मक्खियां लगातार दिखाई दे रही हैं और आप वजह नहीं समझ पा रहे हैं, तो किसी पेशेवर पेस्ट कंट्रोल सेवा की मदद लेना एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इन सरल आदतों को अपनाकर आप अपने घर को गर्मी और बारिश के मौसम में भी मक्खियों से मुक्त, स्वच्छ और स्वस्थ रख सकते हैं।

मक्खियों से परेशान

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो लेकर आता ही है बल्कि इसके साथ–साथ कई परेशानियां भी साथ में लेकर आता है. अधिकतर लोग मक्खियों से काफी ज्यादा परेशान रहते हैं. रसोई, डाइनिंग एरिया और कूड़ेदान के आसपास मक्खियों का मंडराना शुरू हो जाता है, ये चीजें लोगों को काफी ज्यादा दिक्कत देता है, जिसकी वजह से यह कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ा सकते हैं. ऐसे में लोग अक्सर महंगे स्प्रे या केमिकल प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन इसके बाद भी कुछ खास असर देखने को नहीं मिलता है. आज आपको बताते हैं वो कौन सी 1 खास चीज है, जिसका इस्तेमाल करके मक्खियों को नौ दो ग्यारह कर सकते हैं.

कपूर

अगर आप भी मानसून में मक्खियों से काफी ज्यादा परेशान हैं और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको बता दें कपूर का इस्तेमाल आप कर सकते हैं. ये काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसके लिए आपको महंगी चीजें

खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी. ये सस्ते में आपको आसानी से मिल जाएगा. मक्खियों को इसकी तेज और तीखी गंध बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है, जिस वजह से वो उस जगह पर ज्यादा नहीं टिक पाती हैं. कपूर की गंध तो उन्हें बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती है, जिस वजह से वो आसानी से भाग जाती है.

इस्तेमाल

कपूर को आप आसानी से खरीद सकते हैं. आप ये चीज कहीं भी और कभी भी आसानी से मिल जाएंगी. इससे छुटकारा पाने के लिए बस 2–3 रुपये की कपूर की गोलियां आपको लेनी है और फिर इसके बाद मिट्टी के दीये या कटोरी में रखकर आपको इसको जलाना चाहिए. इसका धुआं पूरे घर में आपको फैला देना है और फिर आप देखेंगे, कि कैसे वो मिनटों में गायब हो जाएंगी. कपूर की तेज़ गंध से घर में छिपी सभी मक्खियां कुछ ही मिनटों में गायब हो जाएंगी. घर का माहौल भी काफी ज्यादा साफ और अच्छा हो जाएगा.

कपूर का दूसरा तरीका

मक्खियों को भगाने के लिए आप कपूर का दूसरा तरीका भी अपना सकते हैं, ये काफी ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. मक्खियों को भगाने के लिए कपूर वाले पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं. पोंछा लगाने वाले पानी में 2 कपूर की गोलियां को आपको अच्छे से पीस लेना है और पोंछे वाले पानी में आपको डाल देना है. किचन और उन जगहों पर इसका ज्यादा इस्तेमाल आपको करना चाहिए, जहां मक्खियां काफी ज्यादा आती हैं. इसके लिए आप एक सस्ता स्प्रे का इस्तेमाल करके भी इसको कर सकते हैं. ये तरीका एकदम बेस्ट रहेगा.

इस्तेमाल का तरीका

अगर आप मक्खियों को भगाना चाहते हैं, तो आपको सबसे पहले एक सस्ता स्प्रे लेना है और फिर एक गिलास पानी में एक चम्मच नमक और आधा चम्मच हल्दी को आपको मिला देना है और फिर इसे स्प्रे बोतल में आपको भरकर रख देना है. इसको आपको वहां पर ज्यादा डालना है जहां पर मक्खियां काफी ज्यादा होती है और साथ ही साथ गंदगी भी काफी हद तक दूर हो जाती है. नमक और हल्दी एंटी–बैक्टीरियल होते हैं, जिससे आपको दूर–दूर तक मक्खियां भी नहीं फटकेंगी. इस तरीके को आपको जरूर अपनाना चाहिए.

मक्खियां फैला रही हैं गंदगी

मक्खियां गंदगी, कूड़े और सड़ी–गली चीजों पर बैठती हैं और फिर खाने–पीने की चीजों पर बैठती हैं तो बैक्टीरिया भी काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं और फिर इसके साथ–साथ फूड पॉइजनिंग, दस्त, हैजा, टाइफाइड और पेट से जुड़ी कई समस्याओं का खतरा भी काफी हद तक बढ़ जाता है. मानसून के दौरान नमी अधिक होने की वजह से मक्खियां काफी ज्यादा बढ़ जाती है. इस मौसम में घर की साफ–सफाई के साथ–साथ मक्खियों को दूर रखने पर भी ध्यान देना बेहद ही जरूरी है.

डिजिटल दौर में आंखें हो रही हैं कमजोर? तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपाय

आज के समय में मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है. लगातार स्क्रीन देखने की वजह से आंखों में थकान, जलन, सूखापन और रोशनी से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं. ऐसे में आंखों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो गया है. आयुर्वेद में आंखों को शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग माना गया है और इन्हें स्वस्थ रखने के लिए कई आसान उपाय बताए गए हैं.

आंखों की समस्याओं के कारण–

आयुर्वेद के अनुसार, आंखों की समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं. पहला, आंखों का जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से इस्तेमाल करना. दूसरा, अपनी लाइफस्टाइल और आदतों में लापरवाही करना. तीसरा, मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव. इनसे बचने के लिए सही खानपान, अच्छी दिनचर्या और कुछ प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह दी गई है.

कैसे करें आंखों की देखभाल-

आंखों की देखभाल के लिए पादाभ्यंग यानि पैरों की तेल से मालिश को भी लाभकारी बताया गया है. रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से शरीर को आराम मिलता है और आंखों की थकान कम करने में मदद मिल सकती है. इसके अलावा ठंडे पानी से आंखों को धोना भी एक आसान उपाय है. दिन में कुछ बार आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से ताजगी महसूस होती है.

आंखों की देखभाल के आयुर्वेदिक उपाय-

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई तरह के अभ्यास बताए गए हैं. इनमें पामिंग एक सरल तरीका है. इसमें आंखें बंद करके हथेलियों से उन्हें ढककर कुछ देर आराम किया जाता है. इससे आंखों को आराम मिलता है और तनाव कम महसूस होता है. इसी तरह आंखों को धीरे–धीरे दाएं–बाएं घुमाने जैसे अभ्यास भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में मदद कर सकते हैं.

सूर्य की हल्की रोशनी में बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी पारंपरिक रूप से आंखों के लिए उपयोगी माने जाते हैं.

आंखों को हेल्दी रखने के लिए इन बातों का रखें ध्यान-

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी जरूरी है. ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से बचें, पर्याप्त नींद लें और आंखों पर अनावश्यक दबाव न डालें. इसके अलावा, पढ़ते समय पर्याप्त रोशनी का ध्यान रखें और किताब या स्क्रीन को आंखों से उचित दूरी पर रखें. समय–समय पर आंखों को आराम देना भी जरूरी है. लंबे समय तक आंखों में परेशानी, धुंधला दिखाई देना या दर्द जैसी समस्या होने पर विशेषज्ञ की सलाह जरूर लेनी चाहिए.

आंखों को इस प्रकार रखें ठीक

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और टेलीविजन का इस्तेमाल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। हालांकि, इन स्क्रीन के लगातार और लंबे समय तक उपयोग से हमारी आंखों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंखों में थकान, जलन, सूखापन, खुजली और धुंधली रोशनी जैसी समस्याएं अब आम होती जा रही हैं, जिससे आंखों की सही देखभाल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में आंखों को शरीर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील अंग माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, आंखों से जुड़ी समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं : आंखों का अत्यधिक या गलत तरीके से इस्तेमाल करना, हमारी जीवनशैली और आदतों में लापरवाही, और मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव। इन समस्याओं से बचने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद सही खानपान, व्यवस्थित दिनचर्या और कई प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह देता है।

आंखों की देखभाल के लिए बताए गए आयुर्वेदिक उपायों में पादाभ्यंग यानी पैरों की तेल से मालिश एक अत्यंत लाभकारी प्रथा है। रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से पूरे शरीर को आराम मिलता है और यह आंखों की थकान को कम करने में विशेष रूप से सहायक हो सकता है। इसके अलावा, दिन में कई बार ठंडे पानी से आंखों को धोना एक सरल और प्रभावी उपाय है। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से तुरंत ताजगी महसूस होती है और आंखों की जलन तथा थकान दूर होती है।

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई विशेष अभ्यास भी बताए गए हैं, जो उनकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और उन्हें आराम देने में मदद करते हैं। पामिंग इनमें से एक अत्यंत सरल और प्रभावी तरीका है। इसमें आंखें बंद करके अपनी हथेलियों को आपस में रगड़कर गरम किया जाता है और फिर उन्हें धीरे से आंखों पर रखा जाता है। यह अभ्यास आंखों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसी तरह, आंखों को धीरे–धीरे दाएं–बाएं, ऊपर–नीचे और गोलाकार दिशा में घुमाने जैसे व्यायाम भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय और मजबूत बनाए रखते हैं।

पारंपरिक रूप से, सूर्य की हल्की रोशनी में कुछ देर बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी आंखों की रोशनी और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक माने जाते हैं। ये अभ्यास मन को शांत करने और आंखों को तनाव मुक्त रखने में भी मदद करते हैं। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी उतना ही आवश्यक है। अत्यधिक देर तक स्क्रीन देखने से बचें, अपनी आंखों को पर्याप्त आराम दें, और आंखों पर अनावश्यक दबाव डालने से बचें।

आंखों को इस प्रकार रखें ठीक

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और टेलीविजन का इस्तेमाल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। हालांकि, इन स्क्रीन के लगातार और लंबे समय तक उपयोग से हमारी आंखों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंखों में थकान, जलन, सूखापन, खुजली और धुंधली रोशनी जैसी समस्याएं अब आम होती जा रही हैं, जिससे आंखों की सही देखभाल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में आंखों को शरीर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील अंग माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, आंखों से जुड़ी समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं : आंखों का अत्यधिक या गलत तरीके से इस्तेमाल करना, हमारी जीवनशैली और आदतों में लापरवाही, और मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव। इन समस्याओं से बचने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद सही खानपान, व्यवस्थित दिनचर्या और कई प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह देता है।

आंखों की देखभाल के लिए बताए गए आयुर्वेदिक उपायों में पादाभ्यंग यानी पैरों की तेल से मालिश एक अत्यंत लाभकारी प्रथा है। रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से पूरे शरीर को आराम मिलता है और यह आंखों की थकान को कम करने में विशेष रूप से सहायक हो सकता है। इसके अलावा, दिन में कई बार ठंडे पानी से आंखों को धोना एक सरल और प्रभावी उपाय है। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से तुरंत ताजगी महसूस होती है और आंखों की जलन तथा थकान दूर होती है।

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई विशेष अभ्यास भी बताए गए हैं, जो उनकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और उन्हें आराम देने में मदद करते हैं। पामिंग इनमें से एक अत्यंत सरल और प्रभावी तरीका है। इसमें आंखें बंद करके अपनी हथेलियों को आपस में रगड़कर गरम किया जाता है और फिर उन्हें धीरे से आंखों पर रखा जाता है। यह अभ्यास आंखों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसी तरह, आंखों को धीरे–धीरे दाएं–बाएं, ऊपर–नीचे और गोलाकार दिशा में घुमाने जैसे व्यायाम भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय और मजबूत बनाए रखते हैं।

पारंपरिक रूप से, सूर्य की हल्की रोशनी में कुछ देर बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी आंखों की रोशनी और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक माने जाते हैं। ये अभ्यास मन को शांत करने और आंखों को तनाव मुक्त रखने में भी मदद करते हैं।

आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी उतना ही आवश्यक है। अत्यधिक देर तक स्क्रीन देखने से बचें, अपनी आंखों को पर्याप्त आराम दें, और आंखों पर अनावश्यक दबाव डालने से बचें। पढ़ते या काम करते समय पर्याप्त और सही रोशनी का उपयोग करें, और अपनी स्क्रीन या किताब को आंखों से उचित दूरी पर रखें। समय–समय पर आंखों को झपकाना और उन्हें आराम देना भी महत्वपूर्ण है। यदि आपको लंबे समय तक आंखों में परेशानी, धुंधला दिखाई देना, दर्द या किसी अन्य गंभीर समस्या का अनुभव होता है, तो बिना देर किए किसी नेत्र विशेषज्ञ की सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपनी आंखों की देखभाल को प्राथमिकता देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है, ताकि हम डिजिटल दुनिया का लाभ उठाते हुए भी अपनी अनमोल दृष्टि को सुरक्षित रख सकें।

गरियाबंद पुलिस की पहल स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्र-छात्राओं को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुण, घरेलू हिंसा के खिलाफ किया जागरूक।

अपरिचितों से ओटीपी (ओ टी पी) और पर्सनल डेटा शेयर न करने की दी गई हिदायत।

घरेलू हिंसा और बच्चों के अधिकारों (POCSO Act) को लेकर किया गया जागरूक।

गरियाबंद- पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देशन में सामाजिक जागरूकता और छात्र सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गरियाबंद साइबर टीम एवं महिला एवं बाल विकास टीम द्वारा स्थानीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, गरियाबंद में साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शाला के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षक गण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान गरियाबंद पुलिस के साइबर सेल टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में बढ़ रहे ऑनलाइन और साइबर अपराधों के

बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस टीम ने बच्चों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी (ओ टी पी), बैंक खाता विवरण या आधार नंबर साझा न करें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप) पर अपनी व्यक्तिगत तस्वीरें और जानकारी सोच-समझकर पोस्ट करें। किसी भी प्रकार के ऑनलाइन लॉटरी, गेमिंग फ्रॉड या संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने से बचें।

साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

महिला एवं बाल विकास टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को घरेलू हिंसा, बाल विवाह और बच्चों के कानूनी अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाया गया।

बच्चों को पॉक्सो एक्ट) और सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श के बारे में सरल भाषा में समझाया गया।

घरेलू हिंसा या किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहने और तुरंत आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

आपातकालीन स्थिति के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस के हेल्पलाइन नंबर्स जैसे इमरजेंसी नंबर 112, महिला हेल्पलाइन 1091 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता बताई गई।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक गरियाबंद ने कहा, ÷स्कूली बच्चे हमारे समाज का भविष्य हैं। उन्हें सुरक्षित माहौल देना और अपराधों के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता है। तकनीक के इस दौर में बच्चे आसानी से साइबर ठगों के झांसे में आ जाते हैं, इसलिए उन्हें डिजिटल लिटरेसी देना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही घरेलू हिंसा और बाल अपराधों पर खुलकर बात करने से बच्चों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

ऋगरियाबंद पुलिस द्वारा 7 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार थाना गरियाबंद की कार्यवाही।

गरियाबंद -नशे के विरूद्ध नया सवेरा अभियान के अंतर्गत गरियाबंद पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों कों अवैध नशे के परिवहन एवं बिक्री करने वालो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं रोकथाम के संबंध में निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाने क्षेत्र अंर्तगत मुखबिर सूचना एवं पेट्रोलिंग की सक्रियता को ब?ा दिया गया है जो आज दिनांक 21.07.2026 थाना गरियाबंद क्षेत्र के ग्राम मालगांव में संदिग्ध के घर मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी को धार-दबोचा गया,जिसके कब्जे से 7

लीटर अवैध कच्ची देशी महुआ शराब किमती 1400रू. जप्त कर विधिवत गवाहों के समक्ष गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर अपना नाम फागुराम गंधर्व पिता मंगलु राम गंधर्व उम्र 47 वर्ष साकिन मालगाँव थाना व जिला गरियाबंद का रहना बताया। अवैध शराब के विरूद्ध विधिवत् कार्यवाही कर धारा 34(2) छ0ग0 आबकारी अधिनियम का अपराध घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा गिरफ्तार कर मान. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी -
फागुराम गंधर्व पिता मंगलु राम गंधर्व उम्र 47 वर्ष साकिन मालगाँव थाना व जिला गरियाबंद (छ0ग0)

जप्त सामाग्री -
7 लीटर अवैध देशी कच्ची महुआ शराब कुल किमत 1400रू.

करंट बना काल: बिजली विभाग की कथित लापरवाही ने छीनी एक मजदूर की जिंदगी, दो मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

शिवपुरी। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र अंतर्गत झिंगुरा बस्ती स्थित आईपीएस स्कूल के पास मंगलवार रात एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय दिनेश कुशवाह की बिजली के खंभे में करंट आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, विभाग समय-समय पर मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती करता है, लेकिन इसके बावजूद यदि सार्वजनिक स्थानों पर लगे बिजली के खंभों में करंट दौड़ रहा है, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश

है।बताया जा रहा है कि दिनेश कुशवाह रोज की तरह काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान वह करंट प्रवाहित हो रहे बिजली के खंभे की चपेट में आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिनेश कुशवाह अपने पीछे पत्नी और दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं। परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य अब इस दुनिया में नहीं रहा। इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।

परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक हँसता-खेलता परिवार उजड़ गया। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा संबंधी खामियों को दूर किया जाता, तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था।

फिलहाल फिजिकल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

विधानसभा भाजपा बूथ कमेठियो की बैठक संपन्न संगठन मजबूत बनाने पर दिया जोर जलेसर

एटा जलेसर प्रदेश भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर विधानसभा क्षेत्र के पांचो मंडलों के बूथ अध्यक्षों की बैठक का आयोजन पटना पक्षी विहार स्थित पाम ट्री रिजॉर्ट में किया गया मुख्य अतिथि एवं अलीगढ़ पूर्व प्रत्याशी मेयर राजीव अग्रवाल ने उपस्थित बूथ अध्यक्षों से आवाहन किया कि वह 2027 विधानसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कस लें बूथ अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी को पुनर्गठित कर लें ताकि चुनाव के समय परेशानी से बच सकें पन्ना प्रमुखों को भी जिम्मेदारी सौंपे उन्होंने समस्त बूथ प्रमुखों से कहा कि वह मतदाताओं के पास जाकर 2017 से 2025 तक के परिवर्तन दोर की जानकारी दें प्रदेश में कायम कानून के राज की जानकारी दें विपक्ष द्वारा फैलाई जा रहे झूठ की भी जानकारी दें ताकि आम जनता को सही जानकारी मिल सके

विधायक संजीव दिवाकर ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जलेसर क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा दिया है वहीं नगर की प्रमुख समस्या रोडवेज डिपो का उद्घाटन अति शीघ्र होने वाला है वही आगरा जलेसर निधौली बरेली राजमार्ग में आ रही सुप्रीम कोर्ट की समस्या का निदान हो चुका है 31 जुलाई को टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होगी उसके उपरांत कार्य प्रारंभ हो जाएगा उन्होंने अन्य समस्याओं के निदान के संबंध में भी जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान विधायक संदीप संजीव दिवाकर राजीव अग्रवाल अलीगढ़ कार्यक्रम संयोजक रमेश पाल सिंह अनिल कुमार सिंह बना मंडल अध्यक्ष दिलीप वार्ष्णेय जिला उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, भाजपा नेत्री नीलम प्रजापति ,बृज प्रांत पिछला प्रकोष्ठ क्षेत्रीय मंत्री बी एल कुशवाहा जितेंद्र दिवाकर राहुल मिश्रा राहुल प्रताप सिंह चंद्रपाल वाल्मीकि गौरव वार्ष्णेय पूर्व मंडल अध्यक्ष शीलेश गोतम मनोज बजरंगी दिनेश लोधी दर्शन पाल बंटू सुधीर गौतम शशि राठी आज भाजपा कार्यकर्ता मौजूद आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे

अम्बाह में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डेंटल केयर सेंटर बना लोगों की पहली पसंद...

अम्बाह। शहर के हाथीगढ्ढा मार्ग स्थित आधुनिक डेंटल केयर सेंटर में वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. आनंद राठौर द्वारा अत्याधुनिक तकनीक एवं आधुनिक उपकरणों की सहायता से दांतों एवं जबड़े से संबंधित विभिन्न जटिल समस्याओं का विशेषज्ञ उपचार किया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी चिकित्सा सेवाओं के कारण यह सेंटर क्षेत्र के लोगों के लिए भरोसेमंद उपचार केंद्र बनता जा रहा है।

डॉ. आनंद राठौर ने बताया कि सेंटर में विशेष रूप से टेढ़ी-मेढ़ी, फँसी हुई अथवा जटिल अक्ल दाढ़ (विजडम टूथ) का सुरक्षित एवं आधुनिक तकनीक से उपचार किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर सर्जिकल प्रक्रिया द्वारा दांत निकाला जाता है, जिसमें मरीज को कम से कम दर्द और अधिकतम सुविधा देने का प्रयास किया जाता है।

इसके अलावा टूटे हुए जबड़े (जॉ फ्रैक्चर) का विशेषज्ञ उपचार, दांतों की विभिन्न प्रकार की सर्जरी, दांत निकालना, दांतों की सफाई, फिलिंग, रूट कैनाल, कृत्रिम दांत, कैप एवं ब्रिज सहित अन्य दंत रोगों का उपचार भी आधुनिक मशीनों एवं मानक चिकित्सा पद्धति के अनुसार किया जाता है।

डॉ. राठौर ने बताया कि मरीजों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं संक्रमण से बचाव के लिए सभी उपकरणों का पूर्ण रूप से स्टरलाइजेशन किया जाता है तथा प्रत्येक मरीज का उपचार निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुरूप किया जाता है।

उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि दांतों में दर्द, सूजन, अक्ल दाढ़ की समस्या, टूटे हुए जबड़े या अन्य किसी भी दंत समस्या को नजरअंदाज न करें और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेकर उचित उपचार प्राप्त करें।

छात्रों पर लाठीचार्ज और राहुल गांधी से अभद्रता के खिलाफ खरगोन में गरजी कांग्रेस राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

खरगोन। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे निहत्थे छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागने और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेताओं के साथ की गई अभद्रता के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने जोरदार मोर्चा खोला। श्रीकृष्ण टॉकीज चौराहे पर आयोजित विशाल धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया और उसे ÷तानाशाह व निरंकुश÷ करार दिया।

÷निहत्थों पर लाठी चलाना बहादुरी नहीं, कायरता÷ ङ्क रवि नाईक

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए रवि नाईक ने कहा कि पिछले बीस दिनों से अपनी जायज मांगों और पेपर लीक मामले को लेकर शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे निहत्थे छात्रों पर केंद्र सरकार ने बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज करवाया। ÷निहत्थे छात्रों और उनकी आवाज उठा रहे विपक्ष के नेताओं पर लाठी चलाना बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता है। कांग्रेस पार्टी हमेशा छात्रों के हितों और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक लड़ती रहेगी।÷

– रवि नाईक

वहीं, जिला कांग्रेस के राजेंद्र सिंह पवार ने कहा कि दो साल पहले किसान लाठीचार्ज का शिकार हुए थे और आज छात्र हो रहे हैं। अगर देश में यही हालात बने रहे, तो धीरे-धीरे हर वर्ग का नंबर आएगा।

जन गण मन के साथ शुरू हुआ धरना, गूंजे मोदी सरकार विरोधी नारे-सुबह 11ः00 बजे राष्ट्गान %जन गण मन% के साथ श्रीकृष्ण टॉकीज चौराहे पर धरने की शुरुआत हुई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मोदी सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग उठाई।धरना प्रदर्शन को दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र अभय भागोरे, जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष सिद्धू वर्मा, आरटीआई प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमित भलसे, रियाज सर, हस्ड्ढ जिलाध्यक्ष निलेश सागोरे, मंडल अध्यक्ष भारत रघुवंशी, अजा कांग्रेस प्रदेश महासचिव संजीव गांगुली, पार्षद अरुणा उपाध्याय सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण 7 वर्षीय बालिका बेबी वैदेही राणे का संबोधन भी रहा, जिसने मंच से अपनी बात रखी।

राष्टपति के नाम सौंपा ज्ञापन, सरकार को बर्खास्त करने की मांग

प्रदर्शन के समापन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि-पेपर लीक मामले में जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता से लोकतंत्र की हत्या हुई है।छात्रों का समर्थन करने पहुंचे देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व अन्य विपक्षी नेताओं के साथ दुर्व्यवहार केंद्र सरकार की निरंकुश मानसिकता को दर्शाता है।इस घटना से पूरे विश्व में भारत की लोकतांत्रिक छवि को गहरा धक्का लगा है।कांग्रेस ने मांग की है कि इस अलोकतांत्रिक, युवा-विरोधी और छात्र-विरोधी सरकार को तुरंत बर्खास्त किया जाए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी चरणबद्ध तरीके से अपने आंदोलन को और उग्र करेगी।

वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं की रही गरिमामयी मौजूदगी-इस विशाल धरना-प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार, जिलाध्यक्ष (चिकित्सा) डॉ. शुभम जायसवाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष (उत्तर) नितेश मंडलोई, (दक्षिण) असलम शेख, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष अलीम शेख, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजत डंडिर सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता और युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने किया।

सेमरिया पुलिस की बड़ी कार्यवाही छेंडछांड के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा डॉ गुरकरण सिंह के तारतम्य में व श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के निर्देशन व श्रीमान एसडीओपी रूपेंद्र धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सेमरिया शिवा अग्रवाल तथा पुलिस टीम द्वारा छेंडछांड के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर उसकी नाबालिक लडकी के साथ आरोपी व्दारा छेंडछांड करने एवं घटना की बात किसी को बताने पर जान से मारने संबंधी रिपोर्ट लेख कराया था जिस पर थाना सेमरिया में अपराध धारा- 74,78(2),351(3) बीएनएस एवं पाक्सो एक्ट की धाराओ के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया था एवं अपराध पंजीयन के बाद से आरोपी की पता तलाश की गई जो लगातार फरार था जिसे विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर आज दिनाँक- 22.07.2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। थाना सेमरिया में आरोपी के विरुद्ध पूर्व से छेंडछांड का 01 अन्य अपराध पंजीबद्ध है ।गिरफ्तार आरोपी विकाश सिंह पटेल पिता बलवंत सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम रहट रतेंगी टोला थाना सेमरिया जिला रीवा(म.प्र.)सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, SI लंकेश वर्मा, प्र.आर. प्रमोद अग्निहोत्री, आरक्षक पंचमलाल प्रजापति, आरक्षक जीतेन्द्र बागरी

मछली बाजार में 36.88 लाख रुपये की लागत से बनेगा डोम (शेड एवं प्लेटफॉर्म)

खरगोन नगरपालिका परिषद खरगोन द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के क्रम में वार्ड क्रमांक 17 स्थित मछली बाजार में 36.88 लाख रुपये की लागत से डोम (शेड एवं प्लेटफॉर्म) निर्माण कार्य का भूमिपूजन बुधवार को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरुण जोशी ने किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती जोशी ने विधिवत पूजन-अर्चन कर गैती चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए नगरपालिका परिषद निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनका कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना परिषद की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर लोक निर्माण सभापति श्री धीरेंद्रसिंह चौहान, पार्षद श्री संतोष वर्मा, श्री जगन्नाथ सांवले, श्री महेश वर्मा, एल्डरमेन श्री अनिल गुप्ता, श्री पुरुषोत्तम कुमावत, श्री दीपक कराले, पार्षद प्रतिनिधि श्री अरविंद पाटीदार एवं श्री सुमित चंदेल, मंडल अध्यक्ष श्री रवि वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कोल, स्वास्थ्य अधिकारी श्री प्रकाश चित्ते, नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी तथा क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए रोजगारपरक (Job-Oriented) पाठ्यक्रमों का चयन अत्यंत आवश्यक- डॉ. निलेश पटेल

ई-प्रवेश (E-Admission) प्रक्रिया के तहत रोजगार से जोड़ने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर दें ध्यान।

गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां में बी.एड. और एम.एड. के साथ %बी.ए. साइकोलॉजी% एवं %बी.ए. कंप्यूटर% जैसे नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध।

बोरावां (खरगोन)-मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ई-प्रवेश (E-Admission) प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए स्वर्गीय गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां के प्राचार्य डॉ. निलेश पटेल ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के नाम एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. निलेश पटेल ने कहा कि वर्तमान में चल रही ई-प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों को अपने करियर और उज्ज्वल भविष्य

को ध्यान में रखते हुए रोजगारपरक (E-Admission) एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के प्रति अधिक रुचि दिखानी चाहिए।

व्यावसायिक एवं शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम-डॉ. पटेल ने बताया कि शिक्षा एवं शिक्षण के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए महाविद्यालय में बी.एड. (B.Ed.) एवं एम.एड. (M.Ed.) जैसे मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे जुड़कर विद्यार्थी एक कुशल शिक्षक के रूप में अपना करियर ग? सकते हैं।

नए युग के रोजगारपरक पाठ्यक्रम-समय की माँग और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य एवं रोजगार के अवसरों को देखते हुए संस्थान द्वारा इस सत्र से नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैंः

बी.ए. साइकोलॉजी (BA Psychology)
बी.ए. कंप्यूटर (BA Computer)

प्राचार्य डॉ. निलेश पटेल ने स्पष्ट किया कि इन नए पाठ्यक्रमों में अपार संभावनाएं छिपी हुई हैं, जिससे छात्रों को आधुनिक जॉब मार्केट के अनुसार अवसर प्राप्त होंगे।

÷ई-प्रवेश प्रक्रिया के तहत छात्र ऐसे व्यावसायिक और जॉब-ओरिएंटेड पाठ्यक्रमों को चुनें जिनमें भविष्य में रोजगार और प्रगति के अवसर निहित हैं।÷

– डॉ. निलेश पटेल (प्राचार्य, स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां)

वीरभूमि झाँसी की आध्यात्मिक धरोहर श्री कुंज बिहारी जू सरकार के दरबार में सजा भव्य फूल बंगला,

विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी वीरभूमि झाँसी केवल अपनी ऐतिहासिक वीरगाथाओं और रानी लक्ष्मीबाई की शौर्यभूमि के रूप में ही नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के कारण भी देशभर में विशेष पहचान रखती है। यहाँ के प्राचीन मंदिर, धार्मिक परंपराएँ, संत-महात्माओं की तपस्थली तथा भगवान के प्रति अटूट आस्था झाँसी को आध्यात्मिक नगरी के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। इन्हीं दिव्य धरोहरों में एक अत्यंत पूजनीय एवं ऐतिहासिक मंदिर है श्री कुंज बिहारी जू सरकार मंदिर, जहाँ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर स्वयं को धन्य अनुभव करते हैं।

लगभग 260 वर्ष पुराना यह प्राचीन मंदिर अपनी धार्मिक परंपराओं, आध्यात्मिक वातावरण और अलौकिक महिमा के लिए प्रसिद्ध है। समय के साथ यही स्थान भगवान श्रीकृष्ण की आराधना का भव्य केंद्र बना और आज यह मंदिर पूरे बुंदेलखंड ही नहीं, बल्कि देश के अनेक राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है।

इस मंदिर की सबसे विशेष बात यह है कि यहाँ की पूजा-अर्चना, सेवा व्यवस्था एवं दर्शन की परंपरा वृंदावन स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री बाँके बिहारी मंदिर की परंपरा के अनुरूप संचालित होती है। मंदिर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव होता है मानो स्वयं वृंदावन धाम की पावन अनुभूति झाँसी में साकार हो उठी हो। मंदिर का वातावरण निरंतर भजन, संकीर्तन, राधे-राधे के उद्घोष एवं हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान रहता है।

इसी पावन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज झाँसी नगर विधायक रवि शर्मा के तत्वावधान में मंदिर परिसर में अत्यंत भव्य एवं दिव्य फूल बंगला उत्सव तथा विशाल भंडारे का आयोजन वृहद स्तर पर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को लाखों सुगंधित एवं रंग-बिरंगे पुष्पों से इस प्रकार सजाया गया कि मानो धरती पर वृंदावन की छटा उतर आई हो। भगवान श्री कुंज बिहारी जू सरकार का मनोहारी श्रृंगार, पुष्पों से निर्मित दिव्य बंगला, आकर्षक सजावट एवं मनमोहक अलंकरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का सैलाब मंदिर की ओर उमड़ पड़ा। झाँसी सहित आसपास के जनपदों एवं दूर-दराज़ क्षेत्रों से हजारों भक्तजन इस दिव्य आयोजन में सम्मिलित होने पहुँचे। मंदिर परिसर ÷राधे-राधे÷, ÷जय-जय श्री कुंज बिहारी÷, ÷श्री हरिदास महाराज की जय÷ तथा ÷बाँके बिहारी लाल की जय÷ जैसे जयघोषों से निरंतर गूंजता रहा। भजन-कीर्तन एवं संकीर्तन की मधुर स्वर लहरियों ने सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं श्रीधाम वृंदावन की दिव्यता झाँसी की पावन धरती पर अवतरित हो गई हो।

भव्य फूल बंगला के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। अनेक भक्तों ने इसे अपने जीवन के अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभवों में से एक बताया। भगवान के दिव्य स्वरूप के समक्ष श्रद्धालुओं ने अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में हर ओर श्रद्धा, भक्ति, प्रेम और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे

में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। झाँसी नगर विधायक रवि शर्मा स्वयं पूरे समय उपस्थित रहकर भक्तों की सेवा में समर्पित रहे। उन्होंने अपने कर-कमलों से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया तथा प्रत्येक आगंतुक का आत्मीयता एवं विनम्रता के साथ स्वागत किया। सेवा, समर्पण और संस्कार का यह भाव उपस्थित जनसमूह के हृदय को गहराई से स्पर्श कर गया।

भंडारे की सुव्यवस्थित व्यवस्था, स्वच्छता, अनुशासन एवं सेवा-भाव की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता, सद्भाव एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर नगर विधायक रवि शर्मा एवं उनके पुत्र परन शर्मा एवं धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता शर्मा ने सैक?ों साधु संतों को भोजन कराया एवं उन्हें अंगवस्त्र भेंट किया।

इस अवसर पर झाँसी नगर विधायक रवि शर्मा ने कहा कि ÷श्री कुंज बिहारी जू सरकार के चरणों से मेरा और मेरे पूरे परिवार का अटूट आध्यात्मिक संबंध है। उनके श्रीचरणों में सेवा का अवसर प्राप्त होना मेरे जीवन का परम सौभाग्य है। मैं सदैव प्रभु से यही प्रार्थना करता हूँ कि वे समस्त झाँसीवासियों पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, प्रत्येक परिवार को सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान करें तथा हमारी वीरभूमि झाँसी निरंतर विकास, उन्नति और सांस्कृतिक गौरव के नए आयाम स्थापित करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए।÷

उन्होंने आगे कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और सनातन परंपराओं को सशक्त बनाने का माध्यम भी हैं। भगवान की सेवा, संतों का सान्निध्य और श्रद्धालुओं की सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा और संस्कार की भावना निरंतर सुदृढ़ होती है।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के अद्भुत संगम का साक्षी बना रहा। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि श्री कुंज बिहारी जू सरकार के प्रति जन-जन की आस्था आज भी उतनी ही प्रगाढ़ है जितनी सदियों पूर्व थी। फूल बंगला की दिव्य छटा, हरिनाम संकीर्तन की मधुर ध्वनि, भक्तों की अपार श्रद्धा और विशाल भंडारे की सेवा भावना ने इस आयोजन को झाँसी के धार्मिक इतिहास के स्मरणीय आयोजनों में स्थान दिला दिया।

इस अवसर पर एम0एल0सी0 श्रीमती रमा निरंजन, जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, आर0एस0एस0 के क्षेत्र सहकार्यवाहक अनिल जी, सह प्रांत प्रचारक मुनीस जी, विभाग प्रचारक मनोज जी, जिला कार्यवाहक धर्मेन्द्र रिषी, आयुक्त झाँसी मण्डल विमल कुमार दुबे, जिलाधिकारी गौरव राठी, झाँसी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बी0बी0जी0टी0एस0 मूर्ति, नगर आयुक्त आकांक्षा राणा, प्रदीप सरावगी पूर्व जिलाध्यक्ष, पार्षद प्रदीप खटीक, लखन कुशवाहा, संजय चड्ढा, गोकुल दुबे, अरविन्द खटीक, अरविन्द झां, देवेन्द्र दुबे, मनीष अग्रवाल, संतराम पेंटर, संजीव पाण्डेय एड0, वीरेन्द्र प्रताप सिंह वीरू, वीरेन्द्र ओझा, पंकज दुबे, संतोष साहू व्यापारी, संजय पटवारी व्यापारी नेता, डॉ0 अभिषेक गोस्वामी, आशीष तिवारी, सुजीत तिवारी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रमोद शिवहरे, छोटेलाल वर्मा, मृदुल श्रीवास्तव, तेज सिंह गौर, अन्नू गुप्ता, टिंकल परिहार, प्रेमनगर मण्डल अध्यक्ष निर्मल कुशवाहा, दिलीप पुरी, मोनू शिवहरे सहित सैक?ों श्रृद्वालु उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद एवं बुंदेलखंड प्रांत के तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी भारत विकास परिषद मुख्य शाखा झांसी एवं बुंदेलखंड प्रान्त के तत्वाधान में आम सभा एवं कार्यशाला का आयोजन होटल प्रभा में किया गया।

आम सभा एवं कार्यशाला की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष अमित सराया एवं अशोक बिलगैंया, प्रान्तीय उपाध्यक्ष, नंद गोपाल अग्रवाल, प्रान्तीय महासचिव, संजय मित्तल, प्रांतीय वित्त सचिव, प्रतीक अग्रवाल, प्रान्तीय गतिविधि संयोजक संपर्क, अनिल तिवारी प्रान्तीय गतिविधि संयोजक सेवा के आतिथ्य में कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रान्तीय दायित्वधारियों -द्वारा शाखा की गतिविधियों एवं शाखा की कार्यप्रणाली से समस्त सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में वंदना पुरवार, निशा गर्ग, मधु मोदी, सुनीता अग्रवाल, राखी जैन, मधु पासी, हितेश शर्मा, पवन गर्ग, आलोक अग्रवाल, नीलेश मोदी, अरविंद मोदी, राजू झांब, संजय जैन, राजेश जैन, संजय अरोरा, नरेंद्र अग्रवाल, असीम अग्रवाल, अशोक पासी, राकेश राय, संजय जैन (आवास विकास) देवेंद्र जड़िया, सूर्य प्रकाश अग्रवाल, रचित अग्रवाल, अजय मथुरिया, गगन सोनी, दीपक कठिल इत्यादि सम्मिलित हुए। अंत में सचिव विनय जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

बबीना विधानसभा में भाजपा का भव्य बूथ अध्यक्ष सम्मेलन सम्पन्न

मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र सिंह ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन सशक्त करने का दिया मंत्र

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी ऊषा गार्डन खैलार, झाँसी में भारतीय जनता पार्टी, बबीना विधानसभा का ÷बूथ अध्यक्ष सम्मेलन÷ आज उत्साह एवं संगठनात्मक ऊर्जा के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश, सदस्य विधान परिषद एवं प्रदेश प्रभारी भाजपा मध्य प्रदेश डॉ. महेंद्र सिंह उपस्थित रहे। सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों एवं बूथों से बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता एवं मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक बूथ अध्यक्ष से घर-घर संपर्क स्थापित करने, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने तथा संगठन की विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक बूथ मजबूत होगा तो भाजपा की विजय सुनिश्चित होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा झांसी महानगर के जिलाध्यक्ष श्री सुधीर सिंह जी ने की। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं तथा प्रत्येक बूथ पर सक्रिय संगठन ही भाजपा की सफलता का आधार है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से संगठन द्वारा दिए गए प्रत्येक दायित्व का पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर भाजपा झांसी महानगर के जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह एवं बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा ने मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र सिंह को पारंपरिक गदा भेंट कर उनका सम्मान किया।

अपने संबोधन में विधायक राजीव सिंह पारीछा ने सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बबीना विधानसभा में भाजपा का संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुँचाकर संगठन को और अधिक सुदृढ़ करें तथा वर्ष 2027 में ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करें।

सम्मेलन में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रत्येक बूथ पर भाजपा को विजय दिलाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे- विनोद नायक, विकास कुशवाहा, अरविन्द सिंह राजपूत, मनु सिंह गौतम, पलविंदर नंदा, अंकित राजा यादव, मनोज श्रीवास, राजेश पाल, धर्मेंद्र अहिरवार, बिरजू कुशवाहा, रवि राजपूत, धीरज अग्रवाल, रूपेश नायक, डॉ. शिखा साहू, देवी मंजुलता, राजकान्तेश वर्मा, जगत राजपूत, अजय राजपूत, गोविन्द रायकवार, सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त द्वारा वार्ड नंबर 57 सी पी मिशन कंपाउंड का किया निरीक्षण

सिद्धि सरकार?
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी अपरान्ह 12 बजे नगर आयुक्त आकांक्षा राना द्वारा वार्ड नं0 57 सी0पी0मिशन कम्पाउण्ड का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त के निरीक्षण के समय सरवरिया स्वीटस के पास से सी0पी0मिशन कम्पाउण्ड को जाने वाले मार्ग पर बिजली खम्भे में अनुपयोगी काफी मात्रा में केबिल प?ी हुई पायी गयी जिसमें नगर आयुक्त द्वारा अवर अभियन्ता (वि0/यां0) को निर्देश दिये गये कि विद्युत विभाग से सम्पर्क स्थापित कर उक्त अनुपयोगी केबिल को तत्काल हटाया जाय।

वार्ड में कई स्थलों पर निर्माण कार्य चल रहे, जिनका सी0एण्ड डी0वेस्ट सामग्री पायी गयी जिसको हटाये जाने एवं अर्थदण्ड आरोपित किये जाने हेतु जोनल

अधिकारी एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया। वार्ड में मुख्य मार्ग में साइड पटरी पर लगे इण्टरलोकिंग सी0सी0ब्लाक उख? हुए पाये गये जिसमें बरसात का पानी रूका हुआ पाया गया तथा पी0के0अग्रवाल के मकान के सामने गड्ढे है जिस पर नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि विभागीय गैंग से उक्त मरम्मत/पैंच मरम्मत कार्य शीघ्र कराया जाय वार्ड में रखे हुए टूटे हैण्ड ठेलों को हटाये जाने के निर्देश नगर स्वास्थ्य अधिकारी को दिये गये। साथ ही कुछ स्थलों पर मुख्य मार्ग पर सी0एण्ड डी0वेस्ट के साथ कचरा भी पाया गया जिसको सफाई कराये जाने के सफाई निरीक्षक को निर्देश दिये गये साथ ही निर्देश दिये गये कि वर्षा ऋतु के दृष्टिगत वार्डों में स?क एवं नाली सफाई पर विशेष ध्यान रखा जाय। उक्त निरीक्षण में क्षेत्रीय मा0 पार्षद मंयक श्रीवास्तव, सी0पी0पाण्डेय, सहायक नगर आयुक्त/जोनल अधिकारी, राजवीर सिंह, मुख्य अभियन्ता, डा0 विनीत कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, शंशाक सिंह, सहायक अभियन्ता, मुख्य सफाई निरीक्षक अभिलाष रायकवार, अवर अभियन्ता पंकज यादव एवं श्री कल्याण सिंह उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव ने रक्तदान कर मनाया जन्मदिन, सपाइयों ने सेवा कार्यों से दी शुभकामनाएं

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव के जन्मदिन की अवसर पर दीप नारायण सिंह यादव फ्रेंड्स क्लब, रामेश्वर प्रसाद,एवं भुबानी बाई तथा रॉबिन हुड आर्मी के तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया7 सपा के पूर्व गरौठा विधायक दीपनारायण सिंह यादव ने अपना जन्मदिन सोमवार को मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश देते हुए मनाया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है7 पूर्व विधायक दीपक यादव के जन्मदिन के अवसर पर जिलेभर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन कर उत्साहपूर्वक उनका

जन्मदिन मनाया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने अस्पतालों में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए, विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया तथा केक काटकर खुशियां मनाई। लोगों को मिठाई वितरित कर पूर्व विधायक दीपनारायण यादव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

मून सिटी में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है और समाजहित के कार्यों के माध्यम से जन्मदिन मनाना प्रेरणादायी पहल है।

कार्यक्रम में राहुल सक्सैना, अशफाक सिद्दीकी. संजीव यादव, समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष तनवीर आलम, सहित सैकड़ो की तादाद में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसीआगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से दिनांक 21.07.2026 को कलेक्ट्रेट सभागार, झाँसी में जिलाधिकारी झाँसी गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बी.बी.जी.टी.एस. मूर्ति सहित जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएँ समय से पूर्ण करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा अवांछनीय गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बी.बी.जी.टी.एस. मूर्ति ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सतत गश्त, यातायात का सुचारु संचालन एवं सोशल मीडिया की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी विभागों द्वारा समन्वित रूप से कार्य करने का निर्णय लिया गया।

खाद संकट और स्मार्ट मीटर के बढ़े बिलों को लेकर कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता तथा स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कहा गया कि खरीफ फसल की बोआई और रोपाई के दौरान किसानों को यूरिया एवं डीएपी खाद की भारी आवश्यकता है,लेकिन जनपद में पर्याप्त उपलब्धता न होने के कारण किसानों को लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है।इसके बावजूद कई किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रही है,जिससे वे परेशान हैं।कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में यह भी कहा कि प्रदेश में लगाए गए स्मार्ट बिजली मीटरों के संबंध में उपभोक्ताओं से लगातार शिकायतें मिल रही हैं।उनका आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अत्यधिक वृद्धि हुई है,जिससे पहले से महंगाई की मार झेल रहे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है।उन्होंने मांग की कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी खाद उपलब्ध कराई जाए तथा स्मार्ट मीटरों से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर उपभोक्ताओं को राहत दी जाए।ज्ञापन कार्यक्रम में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार सिंह एडवोकेट,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी संकटा प्रसाद त्रिपाठी, द्वारिकेश सिंह यादव मंडेला एडवोकेट,डॉ.संजय द्विवेदी, बल्देव वर्मा एडवोकेट,मोहम्मद इदरीश, जिला महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट, जितेन्द्र गौरव,कालीचरण निगम,बाबूराम यादव,केशव पाल, रामखेलावन,संतोष कुमार द्विवेदी, राममिलन सिंह पटेल एडवोकेट, राजेश गुप्ता,धीरेन्द्र पांडेय रफत खान,गौरव सक्सेना,कृपाशंकर सोनी,आरिफ निजामी सत्यम सिंह, दिव्यांश वर्मा,शिवशरण सिंह,मोहम्मद इस्लाम चंद्रप्रकाश चंदू,वीरेन्द्र खंगार सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन,भाजपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव नीलम गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जंतर-मंतर,नई दिल्ली में हुई गिरफ्तारी के विरोध में शहर में प्रदर्शन किया।बाबूलाल चौराहा से शुरू हुआ प्रदर्शन बाजार मार्ग होते हुए महेश्वरी देवी चौराहा और अशोक लाट चौराहा तक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने धरना देकर विरोध जताया।प्रदर्शन के दौरान नीलम गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन कर रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्र छात्राओं पर लाठीचार्ज किया गया,जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।उन्होंने पेपर लीक बेरोजगारी,किसानों को खाद की कमी और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी उठाते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।नीलम गुप्ता ने कहा कि सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और विपक्ष के शांतिपूर्ण आंदोलनों पर कार्रवाई कर रही है।उन्होंने किसानों,युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए सरकार की नीतियों का विरोध जारी रखने

की बात कही।प्रदर्शन में वृंदावन वैश्य,एजाज खान राजनी यादव,आत्माराम यादव श्याम बाबू सिंह खंगार मोहम्मद आरिफ रानू,अशोक गौर,राजू गुप्ता,विदित त्रिपाठी आमिर खान मन्नी,सलमान खान,शुभम धुरिया सुरेश निषाद नेतराम वर्मा,दिलशाद खान,कामिल खान, इरफान खान धर्मेंद्र यादव,चंद्रदीप यादव,उर्मिला वर्मा,किरण यादव, विक्की खान,विजय करण यादव, अनमोल जड़िया,भरत पाल,रियाज खान,राजन चंदेल,निलेश श्रीवास अमन यादव साजिद खान,लखन राजपूत,नदीम खान,अयूब खान जावेद खान,चांद खान विक्रम खंगार,अंकित कुमार पवन साहू सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने संत तुलसी पब्लिक स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण,विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार ने बुधवार को इंदिरा नगर स्थित संत तुलसी पब्लिक स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, अनुशासन और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विद्यालय परिवार के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालय के वरिष्ठ छात्र-छात्राओं से पुस्तकालय में संवाद कर बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों का गहन अध्ययन,नियमित लेखन अभ्यास,समयबद्ध दिनचर्या और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।नियमित अध्ययन,निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ही बेहतर परिणाम की कुंजी है।साथ ही विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने,समय का सदुपयोग करने,निराशा से दूर रहने तथा शिक्षकों एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन का पालन करने की सीख दी।उन्होंने दैनिक डायरी लेखन की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया।इस अवसर पर कार्यकारी प्रबंधक डॉ.मनीष कुमार गुप्ता,डायरेक्टर जगनायक यादव उपप्रधानाचार्या डॉ.रिंकु सिंह सीनियर कोऑर्डिनेटर सतीश त्रिपाठी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने जिला विद्यालय निरीक्षक का स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मान किया तथा विद्यार्थियों के लिए दिए गए मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सब्जी मंडी में चबूतरों से अतिक्रमण हटाने पहुंचे अधिकारी, व्यापारियों ने जताया विरोध

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।तिंदवारी रोड़ स्थित नवीन सब्जी मंडी में वर्षों से चबूतरों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई को लेकर बुधवार को प्रशासन और व्यापारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।मौके पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट ने अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को दो दिन के भीतर चबूतरे खाली करने के निर्देश दिए।सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि बरसात के मौसम में कई सब्जी विक्रेताओं को गंदगी और जल भराव के बीच खुले स्थानों पर सब्जियां बेचनी पड़ती हैं।ऐसे व्यापारियों को चबूतरों पर स्थान उपलब्ध कराने तथा मंडी परिसर में सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।कार्रवाई के दौरान कुछ व्यापारियों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वे वर्षों से वहां व्यापार कर रहे हैं और मंडी का शुल्क एवं अन्य देय भुगतान भी करते हैं।उनका कहना था कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें हटाना उचित नहीं है।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मंडी परिसर में किसी भी प्रकार का स्थायी अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा।निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।कार्रवाई के दौरान मंडी समिति के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में सब्जी व्यापारी मौजूद रहे।

वाहन चालकों की 13 सूत्रीय मांगों को लेकर आरटीओ को सौंपा ज्ञापन

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।ऑल उत्तर प्रदेश वेलफेयर एसोसिएशन ने वाहन चालकों की विभिन्न समस्याओं एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में वाहन चालकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन आज भी उन्हें पर्याप्त सुरक्षा,सुविधाएं और सम्मान नहीं मिल पा रहा है।ज्ञापन में वाहन चालकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच एवं मेडिकल सुविधा,भविष्य निधि (पीएफ),पेंशन,दुर्घटना बीमा, सुरक्षित पार्किंग स्थल,विश्राम गृह, स्वच्छ शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई।इसके अलावा लंबी दूरी के वाहन चालकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने और उनके कार्य की परिस्थितियों में सुधार की भी मांग उठाई गई।एसोसिएशन ने सरकार से प्रत्येक वर्ष 1 सितंबर को ÷ड्राइवर दिवस÷ घोषित करने की भी मांग की, ताकि वाहन चालकों के योगदान को सम्मान मिल सके और उनके हितों के प्रति जागरूकता बढ़े।पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सरकार इन मांगों पर गंभीरता से विचार करती है तो वाहन चालकों को सामाजिक सुरक्षा मिलने के साथ उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा।उन्होंने सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

भाजपा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित,'मेरा बूथ,सबसे मजबूत' का दिलाया संकल्प

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।भारतीय जनता पार्टी के जिला संगठन द्वारा बुधवार को बबेरू विधानसभा क्षेत्र में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया गया।सम्मेलन का मुख्य विषय ÷मेरा बूथ,सबसे मजबूत÷ रहा,जिसमें बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी रंजना उपाध्याय रहीं।उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।उनके माध्यम से पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाता है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा,समर्पण और अनुशासन की भावना के साथ संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि ÷मेरा बूथ, सबसे मजबूत÷ केवल संगठनात्मक अभियान नहीं,बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनेदायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के

साथ निर्वहन करने का संदेश भी देता है।समाज सेवा जनसंपर्क और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत,जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल,पूर्व प्रत्याशी अजय पटेल,जिला उपाध्यक्ष वंदना गुप्ता,राज भवन उपाध्याय, देशराज सिंह,जिला कोषाध्यक्ष संतोष गुप्ता,जिला मंत्री विष्णु प्रताप सिंह,जिला पंचायत सदस्य मंजू देवी,ब्लॉक प्रमुख,शक्ति केंद्र संयोजक,बूथ अध्यक्ष एवं पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन महाआरती में युवाओं के भविष्य की उठी आवाज, जायज मांगों के समर्थन के साथ अराजकता से दूर रहने की अपील

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।केन नदी आरती स्थल पर गंगा समग्र एवं विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में मां केन की महा आरती श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई।आरती के बाद उपस्थित लोगों ने देश में पेपर लीक,भर्ती अनियमितताओं और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चिंता व्यक्त की।जिला संयोजक गंगा समग्र एवं गौ रक्षा समिति के जिलाध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों युवाओं

के भविष्य के साथ अन्याय हैं।उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है,ताकि युवाओं का विश्वास कायम रहे।उन्होंने कहा कि छात्रों की जायज मांगों का समाधान लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए और सरकार को आंदोलनरत युवाओं से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाना,राष्ट्रविरोधी माहौल बनाना, सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करना या हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देना उचित नहीं है।ऐसे तत्वों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।वक्ताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रत्येक नागरिक का अधिकार है,लेकिन आंदोलन का उद्देश्य केवल युवाओं को न्याय दिलाना होना चाहिए,न कि समाज में तनाव या अव्यवस्था पैदा करना।आरती के दौरान देश में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया,युवाओं को समय पर रोजगार तथा परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष बनाने की प्रार्थना की गई।कार्यक्रम में दीपक शुक्ला,राम करण पाल,लोहा सिंह ओम प्रकाश जड़िया,कृष्ण कुमार धुरिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन,रिहाई के बाद समाप्त हुआ धरना

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।समाजवादी पार्टी के लोकसभा प्रभारी उमेश यादव के नेतृत्व में मंगलवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में शहर में प्रदर्शन किया।कार्यकर्ता बाबूलाल चौराहे पर एकत्र हुए और वहां से बाजार,महेश्वरी देवी मंदिर होते हुए अशोक लाट चौराहे तक मार्च निकालकर धरना-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा एवं पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया।उनका कहना था कि अखिलेश यादव आंदोलनरत छात्रों का समर्थन करने पहुंचे थे,जहाँ उन्हें हिरासत में लिया गया।सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी छात्रों और युवाओं की समस्याओं के समाधान तथा निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की पक्षधर है।उन्होंने अखिलेश यादव की रिहाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी रिहाई नहीं होती तो आंदोलन जारी रहता। बाद में अखिलेश यादव के रिहा होने की जानकारी मिलने पर प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।प्रदर्शन में राष्ट्रीय सचिव प्रमोद गुप्ता राजा युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव ओम नारायण त्रिपाठी %विदित% निलेश श्रीवास,राजन चंदेल,आमिर खान मन्नी विजय करण,रामलाल प्रजापति,वीरेंद्र गुप्ता,वृंदावन वैश्य इमरान अली राजू,राजकुमार गुप्ता किरण यादव, रजनी यादव,बबलू श्रीवास,इरफान खान,कुतैबा जमा मनी कश्यप अशोक गौर,अशोक श्रीवास सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 85 वर-वधू आज गुरसरांय में बंधेगे दांपत्य बंधन में

खण्ड विकास अधिकारी समेत संपूर्ण विकास विभाग जुटा भव्य तैयारी में

गुरसरांय (झांसी)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत गुरसरांय में 23 जुलाई गुरुवार को 85 वर-वधू बंधेगे दांपत्य बंधन में और यह कार्यक्रम भी अपने में शानदार और भव्यता प्रदान करने के लिए शासन स्तर से मिले निर्देशों के अनुसार भव्यता प्रदान करने के लिए बामौर व गुरसरांय के खण्ड विकास अधिकारी गौरव कुमार के साथ-साथ समाज कल्याण विभाग के ग्राम विकास अधिकारी गुरसरांय अनुज पाठक,एडीओं समाज कल्याण अधिकारी बामौर कुमकुम उदैनिया समेत पूरा स्टाफ तैयारी में जुटा हुआ है। विवरण के मुताबिक गुरसरांय के खुशबू गार्डन में होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 23 जुलाई को गुरसरांय ब्लॉक से 15 जोड़े बामौर ब्लॉक से 14 तो मोठ ब्लॉक से 35 जोड़े जहां ग्रामीण क्षेत्र से चयन किए गए हैं वही नगर पालिका परिषद गुरसरांय से 5 गरौठा नगर पंचायत से 2 एरच नगर पंचायत से 5 नगर पालिका मोठ से 4 नगर पालिका समथर से 2 टोड़ीफतेहपुर नगर पंचायत से 3 वर-वधु पक्ष के बाराती और धराती इस शादी समारोह में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर खण्ड विकास अधिकारी से लेकर बामौर,गुरसरांय विकासखण्ड क्षेत्र के सभी अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी न रह जाए इसको लेकर लगातार तैयारी में जुटे हुए हैं।

विधानसभा चकिया भारतीय जनता पार्टी बूथ सम्मेलन चकिया में आयोजन हुआ संपन

विनय पाठक ब्यूरो
वाराणसी मंडल जोन

चंदौली/ तहसील चकिया के स्थान मंगल करण वाटिका नगर चकिया मे दिनांक 22.7.2026 दोपहर 1:00 बजे से भारतीय जनता पार्टी चकिया विधानसभा क्षेत्र 383 सुरक्षित का बूथ सम्मेलन का आयोजन मे बूथ अध्यक्ष. बूथ प्रभारी.शक्ति संयोजक एवं मंडल अध्यक्ष चकिया विधानसभा विधायक कैलाश आचार्य एवं बुथ सम्मेलन में आए मुख्य अतिथि रमेश मिश्रा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी प्रांत के सानिध्य में कार्यक्रम हुआ संपन्न कार्यक्रम के दौरान जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी उमाशंकर सिंह , पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ प्रदीप मौर्या, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छत्र बली सिंह, पूर्व विधायक शिव तपस्या पासवान, राकेश मिश्रा, मन्ने सिंह , अनिल रस्तोगी सहित अन्य लोग उपस्थित थे

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला मंत्री बने इंद्रपाल सेन बछलापुर

रिपोर्टर, जितेन्द्र कुमार बछलापुर संवाददाता

आज अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला एवं नगर कार्यकारिणी बैठक जगदीश मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई जिसमें राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला एवं नगर कार्यकारिणी गठन हुआ जिसमें अमित खटीक को नगर अध्यक्ष, निक्की रैकवार को नगर उपाध्यक्ष,शीलचंद कुशवाहा को नगर मंत्री एवं इंद्रपाल सेन बछलापुर को जिला मंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल बनाया गया यह घोषणा प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक पांडे,एवं जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल गौरव शर्मा की अध्यक्षता में सभी नव नियुक्त एवं पद भार साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।इस मौके पर,कमलेश सोनी,जिला महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल,शुभम जमुनिया,मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय बजरंग दल,अंकुश राजवंश,अंकुर जैन,राजीव कुशवाहा,दीपक रैकवार,विशाल राय के साथ सभी राष्ट्रीय बजरंग दल ललितपुर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।यह जानकारी राष्ट्रीय बजरंग दल के मीडिया प्रभारी शुभम सेन जमुनिया ने दी।।

अखंड ब्राह्मण महासभा संगठन ब्लॉक महरौनी के तत्वावधान में 200 पौधों का वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से अखंड ब्राह्मण महासभा संगठन ब्लॉक महरौनी द्वारा व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 200 पौधे रोपे गए।

ललितपुर जनपद के महरौनी ब्लॉक क्षेत्र में अखंड ब्राह्मण महासभा संगठन के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर कुल 200 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में संगठन के बुंदेलखंड सचिव लक्ष्मी नारायण पटेरिया, मंडल मीडिया प्रभारी रोहित रिछारिया, मंडल सचिव राम बाबू दुबे, जिला उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, युवा वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कांत चौबे, युवा प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष सौरभ दुबे, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल शुक्ला, ब्लॉक संयोजक आशीष राजोरिया, ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, ब्लॉक वरिष्ठ मीडिया प्रभारी जितेंद्र तिवारी तथा ब्लॉक कोषाध्यक्ष बृजेश भोड़ेले सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम का समापन पौधों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लेकर किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता अभियानों को निरंतर चलाने की बात कही।

100 फीट लंबे तिरंगे के साथ सेठानी घाट पर गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर, धूमधाम से मनाया तिरंगा अंगीकरण दिवस

- नर्मदापुर युवा मंडल के आयोजन में युवाओं और स्कूली बच्चों ने दिया राष्ट्रध्वज सम्मान का संदेश

नर्मदापुरम। देश की आन, बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के अंगीकरण दिवस पर बुधवार को विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर नर्मदापुर युवा मंडल द्वारा भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 100 फीट लंबे तिरंगे को युवा और स्कूली बच्चों ने अपने हाथों में थामकर पूरे उत्साह और गर्व के साथ तिरंगे को नमन किया। देशभक्ति के नारों और भारत माता की जय के उद्घोष से सेठानी घाट राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का संदेश दिया गया। कार्यक्रम से जु? नर्मदापुर युवा मंडल सदस्य मनीष परदेशी ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अंगीकरण दिवस को विशेष रूप से मनाने

की यह अनूठी परंपरा पिछले 14 वर्षों से निरंतर निभाई जा रही है। इस वर्ष आयोजन का 15वां वर्ष रहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों के गौरव, स्वाभिमान, एकता और बलिदान का प्रतीक है। युवा मंडल का उद्देश्य हर वर्ष इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि आज के दौर में युवाओं और बच्चों को अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व से जोड़ना समय की आवश्यकता है। तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और संघर्ष का प्रतीक है। राष्ट्रीय ध्वज के अंगीकरण दिवस पर इस प्रकार का आयोजन समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। इस अवसर पर नर्मदापुर युवा मंडल के रुपेश राजपूत , नंदकिशोर यादव , दीपक हेमनानी, अनिल दुबे , केएन त्रिपाठी, सुंदरम अग्रवाल , हरि शर्मा, श्रीराम सगर , कमल चव्हाण, राजेश रैकबार ,संतोष मीना , पंकज साहू , राजेश ब?कुर , मोनू ठाकुर , ऋषभ शुक्ला, स्वाति गौर , प्रीति साहू , आशीष वर्मा , हरीश मांझी , हरि सेवरिया , रामजीवन बकोरिया, जसवीर सिंह , सौरभ मेहरा , दीपक केवट , प्रवेश सोनी, अखिलेश निगम, समीर सवालाख, राजू आसरे,रोहित शर्मा,तरुण देव सहित समेरिटेंस स्कूल के बच्चें और शिक्षक, शहरवासी उपस्थित रहे।

रैपिडो बुक कर गर्दन पर कोयता रखने वाले शातिर लुटेरे गिरफ्तार, नाबालिग भी शामिल!

इंद्र यादव/मुंबई

/मीरा-भयंदर,हमारे देश के नौजवानों में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। कोई ऐप बनाकर देश का नाम रोशन कर रहा है, तो कोई हमारी ही तरह %रैपिडो% और %ऑटो% बुक करके सीधे लूटपाट की नई यूनिवर्सिटी चला रहा है। जी हाँ, मुंबई के मीरा-भयंदर शहर में एक ऐसा ही %शानदार% गिरोह सक्रिय था, जो खुद को किसी बाहुबली से कम नहीं समझता था। लेकिन काशीगांव पुलिस ने इनकी सारी शेखी पलभर में हवा कर दी और इन महोदय को सीधा सलाखों के पीछे पहुँचा दिया।

इन शातिर महापुरुषों का दिमाग देखिए। ये सीधे-साधे काम करने वाले रैपिडो और ऑटो चालकों की तरह मेहनत करने के बजाय शॉर्टकट अपनाते थे। इनका डेली रूटीन बड़ा फिक्स था!

स्टेप 1: घोड़बंदर रोड पर आराम से बैठकर फोन से रैपिडो या ऑटो बुक करो।

स्टेप 2: जब बेचारा गरीब चालक अपनी गाड़ी लेकर सही सलामत तय पते पर पहुँचे, तो उस पर एहसान जताने के बजाय ये लोग अपनी मर्दानगी दिखाते हुए उसकी गर्दन पर %कोयता% (धारदार हथियार) अड़ा देते थे।

स्टेप 3: भाईसाहब, कसम से इनकी दरियादली तो देखिए! हथियार देखकर डर से कांप रहे चालक से इन्होंने सिर्फ जेब में रखे 700 रुपए ही नगद छीने।

स्टेप 4: इतने से मन नहीं भरा, तो दूसरा ऑटो बुक किया। इस बार चालक से मारपीट की, कोयते का खौफ दिखाया और 1500 रुपए नगद, मोबाइल फोन, और गूगल पे (त्रश्शद्द्य क्क्4) के जरिए ऑनलाइन 2000 रुपए ट्रांसफर करवा लिए। मतलब, लूटपाट में भी डिजिटल इंडिया का पूरा सपोर्ट!

जब इन महानुभावों की हरकतें कुछ ज्यादा ही बढ़ने लगीं, तब काशीगांव पुलिस स्टेशन की टीम हरकत में आई। पुलिस ने जब इस तकनीकी मामले का %विश्लेषण% किया, तो इन शातिर चोरों की अक्ल ठिकाने आ गई।

नाबालिग %कलाकार%: इस गिरोह की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नाबालिग बच्चे भी शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़कर सीधे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने उनकी %उपलब्धियों% का लेखा-जोखा पेश कर दिया है।

वयस्क खिलाड़ी: पुलिस ने इस गैंग के एक मुख्य शातिर चेहरे सलमान अंसारी को भी दबोच लिया है।

सीख:अब इन भाई साहबों को कौन समझाए कि मेहनत की रोटी खाने का जो मज़ा है, वो किसी गरीब की गर्दन पर कोयता रखकर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाने में कहाँ? खैर, पुलिस ने इन सभी का भूत उतार दिया है और यह साफ संदेश दे दिया है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं–चाहे आप ऐप से गाड़ी बुक करें या फिर हथियार लेकर घूमें, ठिकाना अंत में हवालात ही है!

सवा किलो गांजा के साथ मादक तस्कर गिरफ्तार

रामपुरा (जालौन)। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जगम्मनपुर कस्बे में छापेमारी कर एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया तथा उसके कब्जे से 1 किलो 359 ग्राम गांजा बरामद किया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगम्मनपुर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इन सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी अंबुज कुमार यादव के मार्गदर्शन तथा रामपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह के निर्देशन में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से निगरानी करने के बाद आरोपी के घर पर छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक जगदीश द्विवेदी एवं उपनिरीक्षक जितेंद्र यादव के साथ कांस्टेबल आकाश जैन, सचिन, रवि कुमार तथा महिला कांस्टेबल शिखा यादव मौजूद रहीं। पुलिस ने जगम्मनपुर निवासी सुनील कुमार अवस्थी पुत्र सत्यनारायण अवस्थी के घर की तलाशी ली, जहां से 1 किलो 359 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। वह पूर्व में भी गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के आरोप में जेल जा चुका है। इसके बावजूद दोबारा इसी अवैध कारोबार में संलिप्त पाए जाने पर पुलिस ने उसके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया।

रामपुरा थाना पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी का चालान न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा इस प्रकार के अवैध कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फौजी की दुकान और प्लॉट पर दबंगों द्वारा कब्जे के प्रयास का आरोप, सैनिक ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

उरई (जालौन)। भारतीय थल सेना में सेवारत एक जवान ने अपनी खरीदी हुई दुकान एवं प्लॉट पर दबंगों द्वारा कब्जा करने के प्रयास, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी जालौन को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। शिकायतकर्ता सूर्यकांत मिश्रा पुत्र आदर्श कुमार मिश्रा, निवासी ग्राम जगम्मनपुर, थाना रामपुरा, वर्तमान में भारतीय सेना में सैनिक के पद पर कार्यरत हैं और उनकी तैनाती जैसलमेर (राजस्थान) में है। उन्होंने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने ग्राम जगम्मनपुर में संध्या पुत्री श्याम बाबू से एक दुकान एवं प्लॉट विधिवत खरीदा था। खरीद-फरोख्त के समय विक्रेता के पास संपत्ति से संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध थे तथा खरीद के बाद उन्होंने संपत्ति पर अपना कब्जा भी प्राप्त कर लिया था। इसके बाद वह अपनी ड्यूटी पर वापस चले गए।

जवान का आरोप है कि उनकी अनुपस्थिति का लाभ उठाकर पड़ोस में स्थित दुकान एवं प्लॉट के स्वामी राजकुमार पुत्र बैजनाथ तथा सुनील कुमार पुत्र राजबहादुर उनकी भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास कर रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर वह छुट्टी लेकर गांव पहुंचे तो दोनों लोगों ने कथित रूप से अतिक्रमण का प्रयास जारी रखा। विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इतना ही नहीं, उन्हें झूठे मुकदमों, जिनमें महिला संबंधी गंभीर धाराएं भी शामिल हैं, में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि गांव का पप्पू नामक एक व्यक्ति आरोपितों से आर्थिक लाभान्वित होकर उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई से बचाने का भरोसा व संरक्षण देकर विवाद को हवा दे रहा है।पीड़ित सैनिक ने जिलाधिकारी से मांग की है कि उसकी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा रोका जाए, उसे सुरक्षा प्रदान की जाए तथा आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्र उप जिलाधिकारी माधौगढ़ को जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

दैनिक सिद्धि सरकार के लिए स्वामी मुद्रक प्रकाशक अखिलेश कुमार द्वारा परशुराम एसोसिएट एंड कानन ड्रीम प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहर रोड आजादपुरा ललितपुर उत्तर प्रदेश से छपरा कर 91 मसरा खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित संपादक अखिलेश कुमार चौबे
email id.siddhisarkar@ gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ललितपुर होगा)मो.न.. 9793 444 829 ,9044133894